



Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 121-2017/Ext.] CHANDIGARH, WEDNESDAY, JULY 12, 2017 (ASADHA 20, 1939 SAKA)

हरियाणा सरकार

आबकारी तथा कराधान विभाग

अधिसूचना

दिनांक 12 जुलाई, 2017

संख्या 56/एसटी-2 – हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19), की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा हरियाणा माल और सेवा कर नियम, 2017 को आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों को, हरियाणा माल और सेवा कर (तीसरा संशोधन) नियम, 2017 कहा जा सकता है।

(2) ये प्रथम जुलाई, 2017 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. हरियाणा माल और सेवा कर नियम, 2017 (जिन्हें, इसमें, इसके बाद उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 32 के उपनियम (7) में "केंद्रीय" शब्द का लोप कर दिया जाएगा।

3. उक्त नियमों में, नियम 44 में,--

(क) उपनियम (2) में "एकीकृत कर और केन्द्रीय कर" शब्दों के स्थान पर "केन्द्रीय कर, राज्य कर और एकीकृत कर" शब्द तथा चिह्न प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ख) उपनियम (6) में, "आई.जी.एस.टी. और सी.जी.एस.टी.", शब्दों तथा चिह्नों के स्थान पर "केन्द्रीय कर, राज्य कर और एकीकृत कर" शब्द तथा चिह्न प्रतिस्थापित किया जाएगा।

4. उक्त नियमों में, नियम 96 में,--

- (क) उपनियम (1) के खंड (ख) में, "जीएसटीआर-3", शब्दों, चिह्न तथा अंक के स्थान पर, "जीएसटीआर-3 या जीएसटीआर-3ख, जैसी भी स्थिति हो", शब्द, चिह्न तथा अंक प्रतिस्थापित किये जाएंगे ;
- (ख) उपनियम (3) में, "जीएसटीआर-3", शब्दों, चिह्न तथा अंक के स्थान पर, "जीएसटीआर-3 या जीएसटीआर-3ख, जैसी भी स्थिति हो", शब्द, चिह्न तथा अंक प्रतिस्थापित किये जाएंगे; तथा
- (ग) अन्त में, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :--

"96क. बंधपत्र या परिवचनपत्र के अधीन माल या सेवाओं के निर्यात पर भुगतान किए गए एकीकृत कर का प्रतिदाय—(1) एकीकृत कर का भुगतान किए बिना निर्यात के लिए माल या सेवाओं के प्रदाय के विकल्प का उपभोग करने वाला कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, निर्यात से पहले, अधिकारिता आयुक्त को,--

- (क) यदि माल का भारत के बाहर निर्यात नहीं किया जाता है, तो निर्यात के लिए बीजक जारी करने की तिथि से तीन मास की समाप्ति के पश्चात् पंद्रह दिन की अवधि के भीतर ; या
- (ख) यदि निर्यातक को ऐसी सेवाओं का भुगतान संपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त नहीं होता है, तो निर्यात के लिये बीजक जारी करने की तिथि से एक वर्ष की समाप्ति के पश्चात् या ऐसी और अवधि के भीतर, जो आयुक्त द्वारा अनुज्ञात की जाए, के पंद्रह दिन की अवधि के भीतर

धारा 50 की उपधारा (1) के अधीन विनिर्दिष्ट ब्याज के साथ देय कर का भुगतान करने के लिए स्वयं को बाध्यकर बनाने हेतु प्ररूप जीएसटी आरएफडी-11 में बंधपत्र या परिवचनपत्र देगा।

(2) सामान्य पोर्टल पर दिए गए प्ररूप जीएसटीआर-1 में अंतर्विष्ट निर्यात बीजकों के ब्यौरे, इलैक्ट्रोनिक रूप से सीमा शुल्क द्वारा अभिहित सिस्टम को पारेषित किए जाएंगे और यह संपुष्टि कि उक्त बीजकों के अंतर्गत आने वाले माल का भारत से बाहर निर्यात किया गया है, इलैक्ट्रोनिक रूप से, उक्त सिस्टम से सामान्य पोर्टल को पारेषित की जाएगी ।

(3) जहां उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर माल का निर्यात नहीं किया जाता है और रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति उक्त उपनियम में उल्लिखित राशि का भुगतान करने में असफल रहता है, तो बंधपत्र या परिवचनपत्र के अधीन यथा अनुज्ञात निर्यात को तुरंत वापस ले लिया जाएगा और धारा 79 के उपबंध के अनुसार रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से उक्त राशि की वसूली की जाएगी ।

(4) उप नियम (3) के निबंधनानुसार वापस लिए गए बंधपत्र या परिवचनपत्र के अधीन यथा अनुज्ञात निर्यात को रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा देय राशि का भुगतान करते ही तुरंत पुनःस्थापित कर दिया जाएगा ।

(5) बोर्ड, अधिसूचना द्वारा, ऐसी शर्तें और रक्षोपाय विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिनके अधीन किसी बंधपत्र के स्थान पर परिवचनपत्र दिया जा सकेगा ।

(6) उपनियम (1) के उपबंध, यथा आवश्यक परिवर्तन सहित किसी विशेष आर्थिक जोन के विकासक या किसी विशेष आर्थिक जोन इकाई को एकीकृत कर का भुगतान किए बिना शून्य दर पर माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय के संबंध में लागू होंगे ।”

5. उक्त नियमों में, नियम 119 में, --

(क) उपान्तिक शीर्ष में, “अभिकर्ता” के पश्चात “या प्रधान और छुट-पुट कार्य करने वाले कर्मकार” शब्द रखे जाएंगे; तथा

(ख) “धारा 142” शब्द तथा अंको से पहले, “धारा 141 या” शब्द तथा अंक रखे जाएंगे।

6. उक्त नियमों में, नियम 137 के बाद, अन्त में, निम्नलिखित नियम जोड़े जाएंगे, अर्थात्:--

“अध्याय 16

ई-वे नियम

138. ई-वे नियम.- सरकार, ऐसे समय तक जब तक कि ई-वे बिल प्रणाली परिषद् द्वारा विकसित और अनुमोदित नहीं की जाती है, अधिसूचना द्वारा उन दस्तावेजों को विनिर्दिष्ट कर सकेगी जिन्हे उस व्यक्ति द्वारा जो प्रवहण जिसमें माल का परेषण किया जा रहा है, संचलन या अभिवहन भंडारण में माल ले जाने के दौरान अपने पास रखेगा ।

अध्याय 17

निरीक्षण, तलाशी और अभिग्रहण

139. निरीक्षण, तलाशी और अभिग्रहण.- (1) जहां किसी समुचित अधिकारी, जो संयुक्त आयुक्त की पदवी से नीचे का न हो, के पास यह विश्वास करने का कारण है कि धारा 67 के उपबंधों के अनुसार, निरीक्षण या तलाशी या अभिग्रहण, जैसी भी स्थिति हो, के प्रयोजनों के लिए कारबार के स्थान या किसी अन्य स्थान का दौरा किया जाना है, वहां वह अपने अधीनस्थ किसी अधिकारी को, निरीक्षण या तलाशी या अभिग्रहण, जैसी भी स्थिति हो, किए जाने योग्य माल, दस्तावेजों, पुस्तकों या वस्तुओं का अभिग्रहण करने के लिए प्ररूप जीएसटी आईएनएस-01 में प्राधिकृत करते हुए एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा ।

(2) जहां कोई माल या दस्तावेज या पुस्तकें या वस्तुएं धारा 67 की उपधारा (2) के अधीन अभिग्रहण किए जाने योग्य हैं, वहां समुचित अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी प्ररूप जीएसटी आईएनएस-02 में अभिग्रहण का आदेश करेगा ।

(3) समुचित अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी माल के ऐसे स्वामी या अभिरक्षक को, जिसकी अभिरक्षा से ऐसे माल या वस्तुओं का अभिग्रहण किया गया है, माल की सुरक्षित देखरेख करने के लिए ऐसे माल या

वस्तुओं की अभिरक्षा सौंप सकेगा और उक्त व्यक्ति, ऐसे अधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के सिवाय ऐसे माल या वस्तुओं या उसके किसी भाग को न तो हटाएगा और न ही अन्यथा उसके संबंध में कोई कार्रवाई करेगा ।

(4) जहां ऐसे किसी माल को अभिगृहीत करना व्यवहार्य नहीं है, वहां समुचित अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी, माल के स्वामी या अभिरक्षक पर **प्ररूप जीएसटी आईएनएस-03** में ऐसे प्रतिषेध आदेश की तामील कर सकेगा कि वह ऐसे अधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के सिवाय माल या उसके किसी भाग को न तो हटाएगा और न ही अन्यथा उसके संबंध में उस पर कोई कार्रवाई करेगा ।

(5) माल, दस्तावेजों, पुस्तकों या वस्तुओं का अभिग्रहण करने वाला अधिकारी, ऐसे माल या दस्तावेजों या पुस्तकों या वस्तुओं का विवरण, परिमाण या इकाई, बनावट, चिन्ह या माडल, जहां कहीं लागू हो, के साथ-साथ उनकी एक सूची तैयार करेगा और उस पर ऐसे व्यक्ति के हस्ताक्षर लेगा जिससे ऐसा माल या दस्तावेज या पुस्तकों या वस्तुओं का अभिग्रहण किया गया है ।

140. अभिगृहीत माल के निर्मोचन के लिए बंधपत्र और प्रतिभूति. -- (1) अभिगृहीत माल को, **प्ररूप जीएसटी आईएनएस-04** में माल के मूल्य के लिए एक बंधपत्र का निष्पादन करके और भुगतानयोग्य लागू कर, ब्याज और शास्ति की राशि के बराबर की बैंक प्रत्याभूति के रूप में प्रतिभूति देकर अनन्तिम आधार पर निर्मोचित किया जा सकेगा ।

व्याख्या.— इस अध्याय के उपबंधों के अधीन नियमों के प्रयोजनों के लिए “लागू कर” के अंतर्गत, केन्द्रीय कर और राज्य कर या केन्द्रीय कर और संघ राज्यक्षेत्र कर, जैसी भी स्थिति हो, तथा माल और सेवाएं (राज्यों को प्रतिकर) अधिनियम, 2017 (2017 का 15) के अधीन भुगतानयोग्य उपकर, यदि कोई हो, भी शामिल है ।

(2) यदि ऐसा व्यक्ति, जिसको अनन्तिम रूप से माल का निर्मोचन किया गया था, समुचित अधिकारी द्वारा यथा उपदर्शित नियत तिथि और स्थान पर माल प्रस्तुत करने में असफल रहता है, तो ऐसे माल के संबंध में प्रतिभूति नकद में ली जाएगी और उसे भुगतानयोग्य कर, ब्याज और शास्ति तथा जुर्माने, यदि कोई हों, के प्रति समायोजित किया जाएगा ।

141. अभिगृहीत माल के संबंध में प्रक्रिया -- (1) जहां अभिगृहीत माल या वस्तुएं विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति की हैं और यदि कराधेय व्यक्ति, ऐसे माल या वस्तुओं की बाजार कीमत के बराबर राशि का या ऐसे कर, ब्याज और शास्ति की राशि का, जो कराधेय व्यक्ति द्वारा भुगतानयोग्य है या हो गई है, के बराबर, इनमें से जो भी निम्नतर हो, भुगतान कर देता है वहां, यथास्थिति, ऐसे माल या वस्तुओं को, भुगतान के सबूत के आधार पर **प्ररूप जीएसटी आईएनएस-05** में आदेश द्वारा तुरंत निर्मोचित कर दिया जाएगा ।

(2) जहां कराधेय व्यक्ति उक्त माल या वस्तुओं के संबंध में उपनियम (1) में निर्दिष्ट राशि का भुगतान करने में असफल रहता है वहां आयुक्त ऐसे माल या वस्तुओं का व्ययन कर सकेगा और उसके द्वारा वसूल की गई राशि को ऐसे माल या वस्तुओं के संबंध में भुगतानयोग्य कर, ब्याज, शास्ति या किसी अन्य राशि के प्रति समायोजित कर सकेगा ।

अध्याय 18**मांग और वसूली**

142. अधिनियम के अधीन भुगतानयोग्य राशि की मांग के लिए नोटिस और आदेश.-- (1) समुचित अधिकारी,--

(क) धारा 73 की उपधारा (1) या धारा 74 की उपधारा (1) या धारा 76 की उपधारा (2) के अधीन नोटिस, इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01 में, उसकी संक्षिप्त विवरणी सहित;

(ख) धारा 73 की उपधारा (3) या धारा 74 की उपधारा (3) के अधीन कथन, इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-02 में, उसकी संक्षिप्त विवरणी सहित;

उसमें भुगतानयोग्य राशि के ब्यौरे विनिर्दिष्ट करते हुए तामील करेगा ।

(2) जहां नोटिस या कथन की तामील से पहले कर से प्रभार्य व्यक्ति, यथास्थिति, धारा 73 की उपधारा (5) के उपबन्धों के अनुसार कर और ब्याज का या धारा 74 की उपधारा (5) के उपबन्धों के अनुसार कर, ब्याज और शास्ति का भुगतान कर देता है, वहां वह समुचित अधिकारी को, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 में ऐसे भुगतान की सूचना देगा और समुचित अधिकारी, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-04 में उक्त व्यक्ति द्वारा किए गए भुगतान को स्वीकार करते हुए एक अभिस्वीकृति जारी करेगा ।

(3) जहां, कर से प्रभार्य व्यक्ति उपनियम (1) के अधीन नोटिस की तामील होने के तीस दिन के भीतर, यथास्थिति, धारा 73 की उपधारा (8) के अधीन कर और ब्याज का या धारा 74 की उपधारा (8) के अधीन कर, ब्याज और शास्ति का भुगतान कर देता है वहां वह समुचित अधिकारी को, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 में ऐसे भुगतान की सूचना देगा और समुचित अधिकारी उक्त सूचना के संबंध में कार्यवाहियों को समाप्त करते हुए प्ररूप जीएसटी डीआरसी-05 में आदेश जारी करेगा ।

(4) धारा 73 की उपधारा (9) या धारा 74 की उपधारा (9) या धारा 76 की उपधारा (3) में निर्दिष्ट अभ्यवेदन प्ररूप जीएसटी डीआरसी-06 में होगा ।

(5) धारा 73 की उपधारा (9) या धारा 74 की उपधारा (9) या धारा 76 की उपधारा (3) के अधीन जारी आदेश के संक्षिप्त विवरण को इलैक्ट्रॉनिक रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-07 में, उसमें कर से प्रभार्य व्यक्ति द्वारा भुगतानयोग्य कर, ब्याज और शास्ति की राशि विनिर्दिष्ट करते हुए अपलोड किया जाएगा ।

(6) उपनियम (5) में निर्दिष्ट आदेश को वसूली की सूचना के रूप में माना जाएगा ।

(7) समुचित अधिकारी द्वारा, धारा 161 के उपबन्धों के अनुसार परिशुद्धि का आदेश प्ररूप जीएसटी डीआरसी-08 में किया जाएगा ।

143. किसी ऋणग्रस्त राशि से कटौती द्वारा वसूली.-- जहां अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों में से किन्हीं उपबन्धों के अधीन सरकार के प्रति किसी व्यक्ति द्वारा (जिसे इस अध्याय के उपबन्धों के अधीन नियमों में "व्यतिक्रमी" कहा गया है) भुगतानयोग्य किसी राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो समुचित अधिकारी, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-09 में विनिर्दिष्ट अधिकारी से, धारा 79 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों के अनुसार ऐसे व्यतिक्रमी के प्रति किसी ऋणग्रस्त राशि से उक्त राशि की कटौती करने की अपेक्षा कर सकेगा ।

व्याख्या.— इस अध्याय के नियमों के उपबंधों के अधीन नियमों के प्रयोजनों के लिए “विनिर्दिष्ट अधिकारी” से अभिप्राय है, केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी संघ राज्यक्षेत्र की सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकरण या बोर्ड या निगम या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र की सरकार या स्थानीय प्राधिकरण के पूर्ण या भागतः स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी कंपनी का कोई अधिकारी।

144. समुचित अधिकारी के नियंत्रणाधीन माल के विक्रय द्वारा वसूली — (1) जहां किसी व्यतिक्रमी से शोध्य कोई राशि, धारा 79 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबंधों के अनुसार ऐसे व्यक्ति के माल के विक्रय द्वारा वसूल की जानी है, वहां समुचित अधिकारी, ऐसे माल की सूची तैयार करेगा और उसके बाजार मूल्य का प्राक्कलन करेगा और केवल उतने माल के विक्रय के लिए कार्यवाही करेगा जितना वसूली प्रक्रिया पर उपगत प्रशासनिक व्यय के साथ भुगतानयोग्य राशि की वसूली के लिए अपेक्षित हैं।

(2) उक्त माल का, नीलामी, जिसके अंतर्गत ई-नीलामी भी शामिल है, की प्रक्रिया के माध्यम से विक्रय किया जाएगा, जिसके लिए **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-10** में विक्रय किए जाने वाले माल को और नीलामी के प्रयोजन को स्पष्ट रूप से उपदर्शित करते हुए एक नोटिस जारी किया जाएगा।

(3) नीलामी की तिथि या बोली प्रस्तुत करने के लिए अंतिम दिन उपनियम (2) में निर्दिष्ट नोटिस जारी करने की तिथि से पन्द्रह दिन से पूर्व की नहीं होगी;

परन्तु जहां माल विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति का है या जहां उसे अभिरक्षा में रखने का व्यय उसकी कीमत से अधिक होने की संभावना है, वहां समुचित अधिकारी उसका तुरंत विक्रय कर सकेगा।

(4) समुचित अधिकारी, नीलामी में भाग लेने के लिए बोली लगाने वालों को पात्र बनाने के लिए, ऐसे अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में दी जाने वाली पूर्व निक्षेप की ऐसी राशि विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिसे, यथास्थिति, असफल बोली लगाने वालों को वापस किया जा सकेगा या यदि सफल बोली लगाने वाला पूरी राशि का भुगतान करने में असफल रहता है, तो उसे समपहृत किया जा सकेगा।

(5) समुचित अधिकारी, सफल बोली लगाने वाले को **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-11** में नीलामी की तिथि से पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर उससे भुगतान करने की अपेक्षा करते हुए नोटिस जारी करेगा। बोली की पूरी राशि के भुगतान पर समुचित अधिकारी उक्त माल का कब्जा सफल बोली लगाने वाले को अंतरित करेगा तथा **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-12** में प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(6) जहां व्यतिक्रमी उपनियम (2) के अधीन नोटिस जारी करने से पूर्व, वसूली के अधीन राशि का, जिसके अन्तर्गत वसूली की प्रक्रिया पर उपगत व्यय भी शामिल है, भुगतान कर देता है, वहां समुचित अधिकारी नीलामी की प्रक्रिया रद्द करेगा और माल निर्मोचित कर देगा।

(7) जहां कोई बोली प्राप्त नहीं होती है या नीलामी को पर्याप्त भागीदारी की कमी या कम बोलियों के कारण से गैर-प्रतियोगी समझा जाता है, वहां समुचित अधिकारी प्रक्रिया रद्द करेगा और पुनः नीलामी के लिए कार्यवाही करेगा।

145. किसी तृतीय व्यक्ति से वसूली.— (1) समुचित अधिकारी, धारा 79 की उप-धारा (1) के खंड (ग) में निर्दिष्ट किसी व्यक्ति पर, (जिसे इस नियम में इसके पश्चात् “तृतीय व्यक्ति” कहा गया है) **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-13** में, उसे नोटिस में विनिर्दिष्ट राशि जमा कराने का निदेश देते हुए, नोटिस की तामील कर सकेगा।

(2) जहां तृतीय व्यक्ति, उपनियम (1) के अधीन जारी नोटिस में विनिर्दिष्ट राशि का भुगतान कर देता है, वहां समुचित अधिकारी तृतीय व्यक्ति को प्ररूप **जीएसटी डीआरसी-14** में ऐसे उन्मोचित दायित्व के ब्यौरे स्पष्टतः उपदर्शित करते हुए प्रमाणपत्र जारी करेगा ।

146. किसी डिक्री, आदि के निष्पादन के माध्यम से वसूली. -- जहां कोई राशि, किसी बंधक या प्रभार के प्रवर्तन में, धन राशि के भुगतान के लिये या विक्रय के लिये किसी सिविल न्यायालय की डिक्री के निष्पादन में व्यतिक्रमी को भुगतानयोग्य है, वहां समुचित अधिकारी प्ररूप **जीएसटी डीआरसी-15** में उक्त न्यायालय को अनुरोध करेगा और न्यायालय, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) के उपबंधों के अध्यधीन, संलग्न डिक्री का निष्पादन करेगा और वसूलीय राशि के परिनिर्धारण के लिए शुद्ध आगमों को जमा करेगा ।

147. जंगम या स्थावर सम्पत्ति के विक्रय द्वारा वसूली.-- (1) समुचित अधिकारी, व्यतिक्रमी की जंगम और स्थावर सम्पत्ति की एक सूची तैयार करेगा, प्रचलित बाजार मूल्य के अनुसार उसकी कीमत का प्राक्कलन करेगा और कुर्की या करस्थम् का आदेश जारी करेगा तथा प्ररूप **जीएसटी डीआरसी-16** में, ऐसी स्थावर और जंगम संपत्ति जो देय राशि की वसूली के लिए अपेक्षित है, के संबंध में किसी संव्यवहार को प्रतिषिद्ध करते हुए विक्रय के लिए नोटिस जारी करेगा:

परन्तु ऐसी किसी सम्पत्ति की कुर्की जो ऋण पराक्रम्य लिखत द्वारा प्रतिभूत नहीं है, किसी निगम में कोई अंश या अन्य जंगम संपत्ति जो व्यतिक्रमी के कब्जे में नहीं है, सिवाए ऐसी संपत्ति जो न्यायालय में निक्षेपित या अभिरक्षित है, नियम 151 में उपबंधित रीति में कुर्क की जाएगी ।

(2) समुचित अधिकारी, कुर्की या करस्थम् आदेश की एक प्रतिलिपि संबंधित राजस्व प्राधिकारी या परिवहन प्राधिकारी या किसी ऐसे प्राधिकारी को, स्थावर या जंगम संपत्ति पर विल्लंगम रखने को भेजेगा जो केवल समुचित अधिकारी द्वारा उस प्रभाव के लिखित निदेशों पर हटाया जाएगा ।

(3) जहां उपनियम (1) के अधीन कुर्की या करस्थम् के अध्यधीन, कोई संपत्ति--

(क) स्थावर संपत्ति है, कुर्की या करस्थम् आदेश उक्त संपत्ति पर चिपकाया जाएगा और विक्रय की पुष्टि होने तक चिपका रहेगा;

(ख) कोई जंगम संपत्ति है, वहां समुचित अधिकारी उक्त संपत्ति को इस अधिनियम के अध्याय 14 के उपबंधों के अनुसार अभिग्रहण करेगा और उक्त संपत्ति की अभिरक्षा या तो समुचित अधिकारी के द्वारा स्वयं या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा ली जाएगी ।

(4) कुर्की या करस्थम् की गई संपत्ति नीलामी के माध्यम से विक्रय की जाएगी, जिसके अन्तर्गत ई-नीलामी भी है, जिसके लिए प्ररूप **जीएसटी डीआरसी 17** में सूचना, विक्रय की जाने वाली संपत्ति को स्पष्टतः उपदर्शित करते हुए और विक्रय का प्रयोजन देते हुए, जारी किया जाएगा ।

(5) इस अध्याय के उपबंधों के अधीन इन नियमों में किसी भी बात के होते हुए, जहां विक्रय की जाने वाली संपत्ति, पराक्रम्य लिखत या किसी निगम में कोई अंश है, वहां समुचित अधिकारी इसे लोक नीलामी से विक्रय करने के बजाय ऐसे लिखत या अंश को किसी दलाल के माध्यम से विक्रय कर सकेगा और उक्त दलाल वसूली के अधीन यथा अपेक्षित राशि को उन्मोचन के लिए, उसके कमीशन को घटाकर ऐसे

विक्रय के आगम को सरकार को निक्षेप करेगा और अधिशेष राशि, यदि कोई हो, का भुगतान ऐसे लिखत या अंश के स्वामी को करेगा ।

(6) समुचित अधिकारी, नीलामी में, भाग लेने के लिए बोली लगाने वालों को पात्र बनाने के लिए, ऐसे अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में दी जाने वाली पूर्व निक्षेप की ऐसी राशि विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिसे, यथास्थिति, असफल बोली लगाने वालों को वापस किया जा सकेगा या यदि सफल बोली लगाने वाला पूर्ण राशि का भुगतान करने में असफल हो जाता है तो उसे समपहत किया जा सकेगा ।

(7) नीलामी की तिथि या बोली प्रस्तुत करने के लिए अंतिम दिन उपनियम (4) में निर्दिष्ट सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिन से पूर्व नहीं होगा ।

परन्तु जहां माल विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति का है या जहां उनको अभिरक्षा में रखने का व्यय उनकी कीमत से अधिक होना संभावनीय है, तो अधिकारी उन्हें तुरंत विक्रय कर सकेगा ।

(8) जहां कोई दावा या आक्षेप किसी संपत्ति की कुर्की या करस्थम् के संबंध में इस आधार पर किया जाता है या उठाया जाता है कि ऐसी संपत्ति ऐसी कुर्की या करस्थम् के लिए दायी नहीं है, वहां समुचित अधिकारी ऐसे दावे या आक्षेप का अन्वेषण करेगा और विक्रय को ऐसे समय के लिए, जैसा वह ठीक समझे, मुलतवी कर सकेगा ।

(9) दावा या आक्षेप करने वाला व्यक्ति साक्ष्य देगा कि उपनियम (1) के अधीन जारी आदेश की तिथि को कुर्की या करस्थम् के अधीन प्रश्नगत संपत्ति में वह कब्जे में था या उसका कुछ हित था ।

(10) जहां अन्वेषण करने पर समुचित अधिकारी का, दावा या आक्षेप में कथित कारण से, यह समाधान हो जाता है कि ऐसी संपत्ति उक्त तिथि को व्यतिक्रमी या उसकी ओर से किसी व्यक्ति के कब्जे में नहीं थी या उक्त तिथि को व्यतिक्रमी के कब्जे में होने के कारण यह उसके कब्जे में थी, वह उसके स्वयं की या उसके स्वामित्वाधीन सम्पत्ति नहीं थी अपितु किसी अन्य व्यक्ति की या उसके न्यास की थी या भागतः उसकी स्वयं की और भागतः किसी अन्य व्यक्ति की थी, वहां समुचित अधिकारी, ऐसी सम्पत्ति को, पूर्णतः या ऐसे विस्तार तक, जो वह ठीक समझे, कुर्की या करस्थम् से निर्मोचन का आदेश जारी करेगा ।

(11) जहां समुचित अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि उक्त तिथि को संपत्ति व्यतिक्रमी के कब्जे में उसकी अपनी संपत्ति के रूप में थी, किसी अन्य व्यक्ति की नहीं थी, या उसके लिए न्यास में किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में थी, या किसी किरायेदार या किसी अन्य व्यक्ति, जो उसे किराया दे रहा था, के अधिभोग में थी, समुचित अधिकारी दावा नामंजूर करेगा और नीलामी के माध्यम से विक्रय की प्रक्रिया अग्रसर करेगा ।

(12) समुचित अधिकारी, सफल बोली लगाने वाले को प्ररूप जीएसटी डीआरसी-11 में नोटिस, उससे अपेक्षा करते हुए कि राशि का भुगतान ऐसे सूचना की तिथि से पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर करे, जारी करेगा और जब उक्त भुगतान हो जाता है, तो वह प्ररूप जीएसटी डीआरसी-12 में संपत्ति के ब्यौरे, अंतरण की तिथि, बोली लगाने वाले के ब्यौरे और भुगतान की गई राशि विनिर्दिष्ट करते हुए प्रमाणपत्र जारी करेगा और ऐसा प्रमाणपत्र जारी होने पर ऐसे बोली लगाने वाले को संपत्ति में अधिकार, हक और हित अंतरित समझे जाएंगे :

परन्तु जहां अधिकतम बोली एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा लगाई जाती है और उनमें से एक संपत्ति का सहस्वामी है वहां वह सफल बोली लगाने वाला समझा जाएगा।

(13) उपनियम (12) में विनिर्दिष्ट संपत्ति के अंतरण के संबंध में देय कोई राशि, जिसके अंतर्गत स्टाम्प शुल्क, कर या फीस भी शामिल है, उस व्यक्ति द्वारा सरकार को भुगतान की जाएगी जिसे ऐसी संपत्ति में हक अंतरित किया जाता है।

(14) उपनियम (4) के अधीन नोटिस जारी करने से पूर्व, जहां व्यतिक्रमी वसूली अधीन राशि का भुगतान करता है, जिसके अन्तर्गत वसूली की प्रक्रिया पर उपगत व्यय भी शामिल हैं, वहां समुचित अधिकारी नीलामी की प्रक्रिया को रद्द करेगा और माल को निर्मोचित करेगा।

(15) जहां कोई बोलियां प्राप्त नहीं होती हैं या नीलामी को पर्याप्त भागीदारी की कमी या कम बोलियों के कारण से गैर-प्रतियोगी समझा जाता है, वहां समुचित अधिकारी प्रक्रिया को रद्द करेगा और पुनः नीलामी के लिए कार्यवाही करेगा।

148. अधिकारी द्वारा बोली लगाने या क्रय करने का प्रतिषेध.-- कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति जो इस अध्याय के उपबंधों के अधीन नियमों के अंतर्गत किसी विक्रय के संबंध में किसी कर्तव्य का निर्वहन करता है, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, विक्रय संपत्ति में किसी हित का अर्जन या हित अर्जन करने का प्रयास करने के लिए बोली नहीं लगाएगा।

149. अवकाश-दिन पर विक्रय करने का प्रतिषेध.-- इस अध्याय के उपबंधों के अधीन नियमों के अंतर्गत, रविवार या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य साधारण अवकाश-दिन पर या किसी अन्य दिन, जो सरकार द्वारा उस क्षेत्र के लिए, जिसमें विक्रय किया जाना है, अवकाश-दिन घोषित किया गया है, कोई विक्रय नहीं किया जाएगा।

150. पुलिस द्वारा सहायता.-- समुचित अधिकारी, अधिकारिता रखने वाले पुलिस स्टेशन के भारसाधक-अधिकारी से ऐसी सहायता, जो उसके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक हो, मांग सकेगा और उक्त भारसाधक अधिकारी ऐसी सहायता उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस अधिकारियों को तैनात करेगा।

151. ऋणों और शेयरों आदि की कुर्की.-- (1) कोई ऋण जो परक्राम्य लिखत द्वारा सुनिश्चित नहीं किया गया है, निगम में शेयर या अन्य जंगम सम्पत्ति, जो व्यतिक्रमी के कब्जे में नहीं है, सिवाए ऐसी सम्पत्ति के, जो किसी न्यायालय में निक्षेपित या अभिरक्षित है, प्ररूप जीएसटी डीआरसी-16 में लिखित आदेश द्वारा,--

- (क) ऋण के मामले में लेनदार को ऋण की वसूली करने से और ऋणी को उसका भुगतान करने से जब तक कि समुचित अधिकारी से अतिरिक्त आदेश प्राप्त नहीं किया जाता ;
- (ख) शेयर के मामले में व्यक्ति जिसके नाम में शेयर धारित हो, को उसे अंतरित करने से या उस पर कोई लाभांश प्राप्त करने से ;
- (ग) किसी अन्य जंगम सम्पत्ति के मामले में, उसका कब्जा रखने वाले व्यक्ति को इसे व्यतिक्रमी को देने से,

प्रतिषिद्ध करते हुए, कुर्क किया जाएगा।

(2) ऐसे आदेश की एक प्रति समुचित अधिकारी के कार्यालय के किसी सहजदृश्य भाग पर चिपकाई जाएगी, और एक अन्य प्रति ऋण के मामले में, ऋणी को भेजी जाएगी, और शेरों के मामलों में, निगम के रजिस्ट्रीकृत पते पर भेजी जाएगी और अन्य जंगम सम्पत्ति के मामले में, उसका कब्जा रखने वाले व्यक्ति को भेजी जाएगी ।

(3) उप नियम (1) के खण्ड (क) के अधीन प्रतिषिद्ध कोई ऋणी, अपने ऋण की राशि का भुगतान समुचित अधिकारी को कर सकेगा, और ऐसा भुगतान व्यतिक्रमी को भुगतान किया गया समझा जाएगा ।

152. न्यायालयों या लोक अधिकारी की अभिरक्षा में सम्पत्ति की कुर्की.— जहां कुर्की की जाने वाली सम्पत्ति किसी न्यायालय या लोक अधिकारी की अभिरक्षा में है, वहां समुचित अधिकारी ऐसे न्यायालय या अधिकारी को यह अनुरोध करते हुए कुर्की का आदेश भेजेगा कि ऐसी सम्पत्ति और उस पर भुगतानयोग्य कोई ब्याज या लाभांश, भुगतानयोग्य राशि की वसूली तक धारित कर लिया जाए ।

153. भागीदारी में हित की कुर्की.— (1) जहां कुर्की की जाने वाली सम्पत्ति में, व्यतिक्रमी का किसी भागीदारी में एक भागीदार होने पर एक हित सम्मिलित है, वहां समुचित अधिकारी प्रमाणपत्र के अधीन, शोध राशि के ऐसे भुगतान के साथ भागीदारी सम्पत्ति में ऐसे भागीदार के हिस्से और लाभों को प्रभारित करते हुए एक आदेश कर सकेगा और उसी या पश्चात्पूर्ति आदेश द्वारा ऐसे लाभों जो पहले से ही घोषित हों या प्रोद्भूत हुए हैं और ऐसे अन्यधन जो उसे भागीदारी के सम्बन्ध में उस पर शोध हो गए हों में ऐसे भागीदार के हिस्से के सम्बन्ध में रिसीवर नियुक्त कर सकेगा, लेखा और जाँच के लिए निदेश दे सकेगा और ऐसे हित के विक्रय के लिए आदेश कर सकेगा या ऐसा अन्य आदेश कर सकेगा, जैसा कि मामले की परिस्थितियों में अपेक्षा हो ।

(2) अन्य भागीदारों को किसी भी समय, प्रभारित हित का मोचन करने या विक्रय का निदेश किए जाने की दशा में, उसका क्रय करने की स्वतंत्रता होगी ।

154. माल और जंगम या स्थावर सम्पत्ति के विक्रय के आगमों का व्ययन.— किसी व्यतिक्रमी से शोध की वसूली के लिए, माल, जंगम या स्थावर सम्पत्ति के विक्रय से इस प्रकार प्राप्त की गई राशि,—

- (क) प्रथमतया, वसूली प्रक्रिया पर हुए प्रशासनिक व्यय के विरुद्ध विनियोजित की जाएगी ;
- (ख) तत्पश्चात् वसूली की जाने वाली राशि के विरुद्ध विनियोजित की जाएगी ;
- (ग) तत्पश्चात् इस अधिनियम, या एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 13) या केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 14) या किसी राज्य का राज्य माल और सेवा कर अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन व्यतिक्रमी से शोध किसी अन्य राशि के विरुद्ध विनियो जित की जाएगी ; और
- (घ) कोई अधिशेष, व्यतिक्रमी को भुगतान किया जायेगा ।

155. भू-राजस्व प्राधिकारी के माध्यम से वसूली.— जहां किसी राशि की धारा 79 की उपधारा (1) के खण्ड (ड) के उपबंधों के अनुसार वसूली की जानी है, वहां समुचित अधिकारी, जिले के कलक्टर या उपायुक्त या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को प्ररूप जीएसटी डीआरसी-18 में एक प्रमाणपत्र, प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट राशि की सम्बंधित व्यक्ति से वसूली के लिए भेजेगा, जैसे कि यह भू-राजस्व की बकाया राशि थी ।

156. न्यायालय के माध्यम से वसूली.-- जहां किसी राशि की ऐसे वसूली की जानी है जैसे कि यह दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अधीन अधिरोपित जुर्माना हो, वहां समुचित अधिकारी धारा 79 की उपधारा (1) के खण्ड (च) के उपबन्धों के अनुसार समुचित मजिस्ट्रेट के समक्ष **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-19** में सम्बंधित व्यक्ति से तद्धीन विनिर्दिष्ट राशि की वसूली के लिए एक आवेदन करेगा, जैसे कि यह उसके द्वारा अधिरोपित एक जुर्माना हो ।

157. प्रतिभू से वसूली.-- जहां कोई व्यक्ति व्यतिक्रमी पर शोध्य राशि के लिए प्रतिभू बना है, वहां इस अध्याय के अधीन उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, जैसे कि वह व्यतिक्रमी हो ।

158. किस्तों में कर और अन्य राशियों का भुगतान.-- (1) किसी कराधेय व्यक्ति द्वारा अधिनियम के अधीन शोध्य करों या किसी राशि के भुगतान के लिए समयावधि में विस्तार की मांग करते हुए या धारा 80 के उपबन्धों के अनुसार किस्तों में ऐसे करों या राशि के भुगतान को अनुज्ञात करने के लिए **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-20** में इलैक्ट्रोनिकली आवेदन फाइल किए जाने पर, आयुक्त, उक्त राशि का भुगतान करने के लिए कराधेय व्यक्ति की वित्तीय योग्यता के सम्बंध में, अधिकारिता रखने वाले अधिकारी से रिपोर्ट की मांग करेगा ।

(2) कराधेय व्यक्ति की प्रार्थना और अधिकारिता रखने वाले अधिकारी की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, आयुक्त कराधेय व्यक्ति को भुगतान करने के लिए अतिरिक्त समय और/या राशि का ऐसी मासिक किस्तों में, जो चौबीस से अनधिक हो, जैसा वह उपयुक्त समझे, भुगतान अनुज्ञात करते हुए, **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-21** में एक आदेश जारी कर सकेगा ।

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट सुविधा, वहां अनुज्ञात नहीं की जाएगी, जहां--

(क) कराधेय व्यक्ति इस अधिनियम या एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या किसी राज्य के राज्य माल और सेवा कर अधिनियम के अधीन किसी राशि का भुगतान करने का पहले से व्यतिक्रमी है जिसके लिए वसूली प्रक्रिया चालू है ;

(ख) कराधेय व्यक्ति इस अधिनियम या एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 या किसी राज्य के राज्य माल और सेवा कर अधिनियम के अधीन पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किस्तों में भुगतान करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया गया है ;

(ग) कोई राशि, जिसके लिए किस्त सुविधा मांगी गई है, पच्चीस हजार रुपयों से कम है।

159. सम्पत्ति की अनन्तिम कुर्की.-- (1) जहां आयुक्त, धारा 83 के उपबन्धों के अनुसार बैंक खाता सहित, किसी सम्पत्ति की कुर्की करने का विनिश्चय करता है, वहां वह **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-22** में तद्धीन सम्पत्ति जो कुर्की की गई है के विवरणों का उल्लेख करते हुए एक आदेश पारित करेगा।

(2) आयुक्त कुर्की के आदेश की प्रति सम्बंधित राजस्व प्राधिकारी या परिवहन प्राधिकारी या किसी ऐसे प्राधिकारी को भेजेगा, कि वह उक्त जंगम या स्थावर सम्पत्ति पर विल्लंगम रखे, जो केवल आयुक्त के इस निमित्त लिखित अनुदेशों पर ही हटाया जाएगा ।

(3) जहां कुर्की की गई सम्पत्ति विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति की है, और यदि कराधेय व्यक्ति ऐसी सम्पत्ति के बाजार मूल्य के समतुल्य राशि का भुगतान करता है या ऐसी राशि जो कराधेय व्यक्ति पर भुगतानयोग्य है या भुगतानयोग्य बन जाती है, जो भी न्यून हो, तब ऐसी सम्पत्ति, भुगतान के सबूत पर, **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-23** में एक आदेश द्वारा तुरंत निर्मुक्त की जाएगी।

(4) जहां कराधेय व्यक्ति विनश्वर या परिसंकटमय प्रकृति की उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में उपनियम (3) में निर्दिष्ट राशि का भुगतान करने में विफल रहता है, वहां आयुक्त ऐसी सम्पत्ति का व्ययन कर सकेगा और तद् द्वारा प्राप्त राशि, कर, ब्याज, शास्ति, शुल्क या कराधेय व्यक्ति द्वारा संदेय किसी अन्य राशि के विरुद्ध समायोजित की जाएगी।

(5) कोई व्यक्ति जिसकी सम्पत्ति कुर्की की गई है, कुर्की के सात दिवसों के भीतर, उपनियम (1) के अधीन इस प्रभाव की एक आपत्ति फाइल कर सकेगा कि कुर्की की गई सम्पत्ति कुर्की किए जाने के लिए दायी नहीं थी या है, और आयुक्त आपत्ति फाइल करने वाले व्यक्ति को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-23** में एक आदेश द्वारा उक्त सम्पत्ति को निर्मुक्त कर सकेगा।

(6) आयुक्त इस सम्बन्ध में समाधान होने पर कि सम्पत्ति कुर्की के लिए और अधिक दायी नहीं थी या है, **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-23** में एक आदेश जारी करते हुए ऐसी सम्पत्ति को निर्मुक्त कर सकेगा।

160. समापनाधीन कंपनी से वसूली.-- जहां कंपनी समापनाधीन है जैसा कि धारा 88 में विनिर्दिष्ट किया गया है, वहां आयुक्त, कर, ब्याज, शास्ति दर्शित करते हुए कोई राशि या इस अधिनियम के अधीन शोध्य किसी अन्य राशि की वसूली के लिए **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-24** में समापक को अधिसूचित करेगा।

161. कतिपय वसूली कार्यवाहियों का जारी रहना.-- धारा 84 के अधीन किसी माँग में कमी या वृद्धि के लिए आदेश **प्ररूप जीएसटी डीआरसी-25** में जारी किया जाएगा।

अध्याय 19

अपराध और शास्तियाँ

162. अपराधों के प्रशमन के लिए प्रक्रिया.-- (1) कोई आवेदक, या तो अभियोजन के संस्थित किए जाने के पूर्व या पश्चात् धारा 138 की उपधारा (1) के अधीन **प्ररूप जीएसटी सीपीडी-01** में, अपराध के प्रशमन के लिए आयुक्त को आवेदन कर सकेगा।

(2) आवेदन की प्राप्ति पर, आयुक्त, आवेदन में प्रस्तुत की गई विशिष्टियों या कोई अन्य सूचना, जो ऐसे आवेदन की परीक्षा के लिए सुसंगत विचार की जा सकेगी, के संदर्भ में सम्बन्धित अधिकारी से एक रिपोर्ट मांगेगा।

(3) आयुक्त, आवेदन प्राप्त होने के नब्बे दिन के भीतर, उक्त आवेदन की अन्तर्वस्तु पर विचार करने के पश्चात् **प्ररूप जीएसटी सीपीडी-02** में आदेश द्वारा या तो इस सम्बन्ध में समाधान होने पर कि आवेदक ने उसके समक्ष कार्यवाहियों में सहयोग किया है और मामले से सम्बन्धित तथ्यों का पूर्ण और सत्य प्रकटन किया है, प्रशमित राशि इंगित करते हुए आवेदन मंजूर कर सकेगा और उसे अभियोजन से उन्मुक्ति प्रदान कर सकता है या ऐसा आवेदन को नामंजूर कर सकेगा।

(4) उपनियम (3) के अधीन आवेदन का विनिश्चय, आवेदक को उस पर सुनवाई का अवसर दिए बिना और ऐसी नमंजूरी के कारणों को अभिलिखित किए बिना नहीं किया जाएगा।

- (5) आवेदन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक भुगतान के लिए दायी कर, ब्याज और शास्ति का मामले में भुगतान नहीं कर दिया जाता जिसके लिए आवेदन किया गया है ।
- (6) आवेदक, उप नियम (3) के अधीन आदेश की प्राप्ति की तिथि से तीस दिन की अवधि के भीतर आयुक्त द्वारा आदेश की गई प्रशमित राशि का भुगतान करेगा और उन्हें ऐसे भुगतान का सबूत प्रस्तुत करेगा ।
- (7) यदि आवेदक उपनियम (6) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्रशमित राशि का भुगतान करने में विफल रहता है, तब उप-नियम (3) के अधीन किया गया आदेश दूषित और शून्य हो जाएगा।
- (8) किसी व्यक्ति को उप नियम (3) के अधीन प्रदान की गई उन्मुक्ति, आयुक्त द्वारा किसी समय भी प्रत्याहृत की जा सकेगी, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति ने प्रशमन कार्यवाहियों के अनुक्रम में, कोई तात्त्विक विशिष्टियाँ छिपायी थी या मिथ्या साक्ष्य दिया था तदुपरि ऐसे व्यक्ति का ऐसे अपराध के लिए विचारण किया जा सकेगा जिसके लिए उन्मुक्ति प्रदान की गई थी या किसी अन्य अपराध के लिए विचारण किया जा सकेगा, जो कि उसके द्वारा प्रशमन कार्यवाहियों के सम्बन्ध में कारित किया गया प्रतीत होता है और अधिनियम के उपबंध लागू होंगे, जैसे कि ऐसी कोई उन्मुक्ति प्रदान नहीं की गई थी।”।
7. उक्त नियमों में, "प्ररूप जीएसटी-आरएफडी-01, प्ररूप जीएसटी-आरएफडी-02, प्ररूप जीएसटी-आरएफडी-04, प्ररूप जीएसटी-आरएफडी-05, प्ररूप जीएसटी-आरएफडी-06, प्ररूप जीएसटी-आरएफडी-07 और प्ररूप जीएसटी-आरएफडी-10" के स्थान पर, क्रमशः निम्नलिखित प्ररूप प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“प्ररूप – जीएसटी-आरएफडी-01

[देखिए नियम 89(1)]

प्रतिदाय के लिए आवेदन

चयन – रजिस्ट्रीकृत/आकस्मिक/अरजिस्ट्रीकृत/अनिवासी कराधेय व्यक्ति

1. जीएसटीआईएन/अस्थायी आईडी:
2. विधिक नाम :
3. व्यापार नाम, यदि कोई हो :
4. पता :
5. कर अवधि : <दिन/मास/वर्ष> से <दिन/मास/वर्ष>
6. दावा किए गए प्रतिदाय की राशि :

अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	कुल
केन्द्रीय कर						
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						
एकीकृत कर						
उपकर						
कुल						

7. दावा किए गए प्रतिदाय के आधार (नीचे से चयन करें) :
 - क इलैक्ट्रानिक नकद खाता में अतिरिक्त अतिशेष :
 - ख सेवाओं का निर्यात-कर के भुगतान सहित :
 - ग माल/सेवाओं का निर्यात-कर के भुगतान के बिना उदरहणार्थ, संचित इनपुट कर प्रत्यय
 - घ निर्धारण/अनन्तिम निर्धारण/अपील/किसी अन्य आदेश के कारण—
 - (i) आदेश के प्रकार चयन :

निर्धारण/अनन्तिम निर्धारण/अपील/ अन्य
 - (ii) निम्नलिखित ब्यौरों का उल्लेख करें ,—
 1. आदेश संख्या ;
 2. आदेश की तिथि <कलेंडर>
 3. आदेश जारी करने वाला प्राधिकारी
 4. भुगतान संदर्भ संख्या (प्रतिदाय के रूप दावे के लिए राशि)

(यदि आदेश सिस्टम के भीतर जारी किया जाता है, तो 2,3,4 स्वतः वासित होगा)

- ड विपर्यस्त कर ढांचा के लिए निवेश कर प्रत्यय संचित धारा [54(3)] के परन्तुक के खंड (ii)]
- च विशेष आर्थिक जोन इकाई/विशेष आर्थिक जोन विकासक या समझे गए निर्यात के प्रापक की गई प्रदाय के कारण—
(प्रदायकर्ता/प्रापक के प्रकार चयन करें)
1. विशेष आर्थिक जोन इकाई के लिए प्रदाय
 2. विशेष आर्थिक जोन के विकासकर्ता को प्रदाय
 3. समझे गए निर्यात का प्रापक ।
- छ विशेष आर्थिक जोन इकाई/विशेष आर्थिक जोन विकासक को किए गए प्रदाय के कारण संचित इनपुट कर प्रत्यय का प्रतिदाय
- ज प्रदाय पर भुगतान कर जिसे उपबंधित नहीं किया गया है, या तो पूर्णतः या भागतः और जिसके लिए बीजक जारी किया गया है ।
- झ राज्यांतरिक पर भुगतान कर पर जिसे अन्तराज्यिक और विपर्ययेन धारित किया जाए ।
- ञ कर की अधिकता भुगतान, यदि कोई हो
- ट कोई अन्य (विनिर्दिष्ट करें)
8. बैंक लेखा के ब्यौरे (रजिस्ट्रीकृत करदाता के मामले में आरसी से स्वतः वासित)
- (क) बैंक खाता संख्या :
- (ख) बैंक का नाम :
- (ग) बैंक खाता प्रकार :
- (घ) खाता धारक का नाम :
- (ङ) बैंक शाखा का पता :
- (च) भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (आईएफएससी) :
- (छ) मैगनेटिक इंक करेक्टर रिकागनाइजेशन (एमआईसीआर) :
9. क्या धारा 54(4) के अधीन आवेदक द्वारा स्व घोषणा फाइल की गई है, यदि लागू हो
हां ☐ नहीं ☐

घोषणा

मैं, तदनुसार, घोषणा करता हूं कि निर्यातित माल किसी निर्यात शुल्क के अध्यधीन नहीं है, मैं यह भी घोषणा करता हूं कि मेरे द्वारा माल या सेवाएं या दोनों पर कोई ड्राबेक प्राप्त नहीं है और कि मैंने प्रदाय पर भुगतान एकीकृत कर, जिसकी बाबत प्रतिदाय दावा किया गया है, के प्रतिदाय हेतु दावा नहीं किया है ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/पदवी

घोषणा

मैं, इसके द्वारा, घोषणा करता हूँ कि आवेदन में किए गए निवेश कर प्रत्यय का दावा मैं, उपयोजित माल या सेवाओं, शून्य दर दर्शाई गई हो या प्रदाय पूर्ण रूप से छूट प्राप्त हैं, जिन पर प्राप्त निवेश कर प्रत्यय शामिल नहीं है ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/पदवी

स्वयं-घोषणा

मैं/हम..... (आवेदक) जिसके पास माल या सेवा कर पहचान संख्या/अस्थायी आईडी..... सत्यानिष्ठा से प्रतिज्ञान और प्रमाणित करता हूँ/करते हैं और प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि कर, ब्याज या से तक की अवधि के लिए कोई अन्य राशि के बारे में रुपए की राशि के लिए प्रतिदाय के सर्वथा मैं प्रतिदाय आवेदन के दावे में, ऐसे कर और ब्याज का भार किसी अन्य व्यक्ति पर नहीं डाला गया है ।

(इस घोषणा का ऐसे आवेदकों द्वारा दिया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन्होंने धारा 54 की उपधारा (8) के खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) या खंड (घ) या खंड (च) के अधीन प्रतिदाय का दावा किया है) ।

10 सत्यापन

मैं/हम (करदाता का नाम) सत्यानिष्ठा प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि ऊपर दी गई सूचना मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है ।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे द्वारा इस मददे कोई प्रतिदाय प्राप्त नहीं किया गया है ।

स्थान:

तिथि:

प्राधिकारी का हस्ताक्षर

(नाम)

पदनाम/पदवी

विवरण 1:

(अनुबंध-1)

प्रतिदाय प्रकार : विपरीत क्रम कर संरचना के कारण संचित आईटीसी [धारा 54(3) के परंतुक के खंड (ii)]

भाग क: जावक प्रदाय

(जीएसटीआर-1 : सारणी 4 और 5) :

जीएसटीआईएन/यूआईएन	बीजक के ब्यौरे			दर	कराधेय मूल्य	राशि				प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)
	संख्या	तिथि	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

भाग क : आवक प्रदाय :

जीएसटीआर-2 : सारणी 3 (मिलाए गए बीजक) :

.....कर अवधि

प्रदायकर्ता का जीएसटीआईएन	बीजक के ब्यौरे			दर	कराधेय मूल्य	कर की राशि				प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)	क्या इनपुट या इनपुट सेवा/पूँजीमाल (जिसके अंतर्गत प्लांट और मशीने हैं)/आटीसी के लिए अपात्र हैं	उपलब्ध आटीसी की राशि			
	संख्या	तिथि	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	6	7	9	10	11	12	13	14	15	16

टिप्पण: डाटा जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-2 से स्वतः भरा जाएगा ।

विवरण 2:

प्रतिदाय का प्रकार : कर भुगतान सहित सेवाओं का निर्यात
(जीएसटीआर-1 : सारणी - 6क और सारणी -9)

1.

प्राप्तिकर्ता का जीएसटीआईएन	बीजक के ब्यौरे				एकीकृत कर			बीआरसी/एफआईआरसी		संशोधित मूल्य (एकीकृत कर) (यदि कोई है)	नामेनोट एकीकृत कर/संशोधित (यदि कोई है)	जमापत्र एकीकृत कर/संशोधित (यदि कोई है)	शुद्ध एकीकृत कर =(11/8)+ 12-13
	संख्या	तिथि	मूल्य	एसएसी	दर	कराधेय कर	राशि	संख्या	तिथि				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
6क. निर्यात													

बीआरसी/ एफआईआरसी के ब्यौरे, आज्ञापक है—सेवाओं के मामले में)

विवरण 3:

प्रतिदाय के प्रकार: कर के भुगतान के बिना निर्यात-संचित इनपुट कर प्रत्यय

(जीएसटीआईआर-1: सारणी 6क)

1.

प्रापक का जीएसटी आईएन	बीजक के ब्यौरे							लदान बिल/निर्यात बिल			एकीकृत कर			इजीएम ब्यौरे		बीआरसी/ फआईआरसी	
	संख्या	तिथि	मूल्य	माल/सेवा (मा/से)	एचएसएन/ एसएसी	यूक्यूसी	परिमाण	संख्या	तिथि	कोड	दर	कराधेय मूल्य	राशि	संदर्भ संख्या	तिथि	संख्या	ता0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
6क. निर्यात																	

- टिप्पण-**
1. लदान बिल और ईजीएम आज्ञापक है – माल के मामले में ।
 2. बीआरसी/ एफआईआरसी के ब्यौरे आज्ञापक है – सेवाओं के मामले में।

विवरण 5
समझे गए निर्यातों आदि का प्रापक

(जीएसटीआर 2: सारणी 3 और सारणी 6)

प्रापक का जीएसटी आईएन	बीजक के ब्यौरे			दर	कराधेय मूल्य	कर की राशि				प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)	क्या इनपुट या इनपुट सेवा/पूजीमाल (जिसके अंतर्गत प्लांट और मशीने हैं)/आटीसी के लिए अपात्र हैं	उपलब्ध आईटीसी की राशि				संशोधित मूल्य (आई टीसी एकीकृत कर) (यदि कोई है)	नामेनोट आईटीसी एकीकृत कर/ संशोधित (यदि कोई है)	जमापत्र आईटीसी एकीकृत कर/संशोधित (यदि कोई है)	शुद्ध आईटीसी एकीकृत कर $= (17/7) + 18-19$
	संख्या	तिथि	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

विवरण:7

प्रतिदाय का प्रकार : अन्तिम विवरणी फाइल करने की दशा में, कर का अधिक भुगतान, यदि कोई हो, कर के अधिक भुगतान के कारण प्रतिदाय (करदाता की दशा में, जिसने जीएसटीआर-03 विवरणी फाइल की है - सारणी 12)

क्रम संख्या	कर अवधि	विवरणी की संदर्भ संख्या	विवरणी फाइल करने की तिथि	भुगतान योग्य कर			
				एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8

उपाबंध-2**प्रमाण पत्र**

यह प्रमाणित किया जाता है कि तक की अवधि के लिए मैसर्स..... (आवेदक का नाम) माल और सेवा कर पहचान संख्या/अस्थायी आईडी, द्वारा दावा की गई.....(शब्दों में) राशि के प्रतिदाय के संबंध में, कर और ब्याज का भार किसी अन्य व्यक्ति पर नहीं डाला गया है । यह प्रमाणपत्र आवेदक द्वारा विशेष रूप से अनुरक्षित/दिए गए लेखा पुस्तकों और अन्य सुसंगत अभिलेखों और विवरणियों के परीक्षण के आधार पर हैं ।

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट/लागत लेखाकार के हस्ताक्षर :

नाम :

सदस्यता संख्या :

स्थान :

तिथि :

यह प्रमाणपत्र आवेदक द्वारा अधिनियम की धारा 54 की उपधारा (8) के खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) या खंड (घ) या खंड (च) के अधीन प्रतिदाय दावा किए जाने के लिए अपेक्षित नहीं है ।

प्ररुप जीएसटी आरएफडी - 02

देखिए नियम 90(1), 90(2) और 95(2)

अभिस्वीकृति

प्रतिदाय के लिए आपका आवेदन का<आवेदन संदर्भ संख्या> के विरुद्ध अभिस्वीकृत कर लिया गया है।

अभिस्वीकृति संख्या :

अभिस्वीकृति की तिथि:

जी एसटीआईएन/यूआईएन/अस्थायी आई डी, यदि लागू हो :

आवेदक का नाम:

प्ररुप संख्या:

प्ररुप विवरण:

अधिकारिता (समुचित निशान लगाएं) :

केन्द्रीय

राज्य/

संघ राज्य क्षेत्र :

द्वारा भरा गया

प्रतिदाय आवेदन ब्यौरा	
कर अवधि	
फाइल करने की तिथि और समय	
प्रतिदाय के लिए कारण	

दावाकृत प्रतिदाय की राशि

	कर	ब्याज	शास्ति	फीस	अन्य	कुल
केन्द्रीय कर						
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सेवा कर						
एकीकृत कर						
उपकर						
कुल						

टिप्पण 1 : आवेदन की स्थिति जीएसटी प्रणाली पोर्टल पर ट्रैक आवेदन स्थिति <प्रतिदाय> के माध्यम से आवेदन संदर्भ संख्या दर्ज करने से देखी जा सकती है ।

टिप्पण 2 : यह एक प्रणाली उत्पन्न अभिस्वीकृति है और इसमें हस्ताक्षर अपेक्षित नहीं है ।

प्ररूप जीएसटी आरएफडी- -04

[देखिए नियम 91(2)]

मंजूरी आदेश संख्या :

तिथि: <दिन /मास /वर्ष >

सेवा में

_____ (माल और सेवा कर पहचान संख्या

_____ (नाम)

_____ (पता)

अनन्तिम प्रतिदाय आदेश

प्रतिदाय आवेदन संदर्भ संख्या (ए आर एन).....तिथि तिथि: <दिन /मास /वर्ष >

अभिस्वीकृति संख्यातिथि..... <दिन /मास /वर्ष >

महोदय /महोदया,

प्रतिदाय के लिए आपके उपरोक्त वर्णित आवेदन के संदर्भ में, निम्नलिखित राशि अनन्तिम आधार पर आपको स्वीकृत की जाती है :

क्रम संख्या	विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	ऐकीकृत कर	उपकर
(i)	दावाकृत प्रतिदाय की राशि				
(ii)	दावाकृत राशि का 10% प्रतिदाय के रूप में (बाद में स्वीकृत किया जाएगा)				
(iii)	बकाया राशि (i-ii)				

क्रम संख्या	विवरण	केन्द्रीय कर	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र कर	ऐकीकृत कर	उपकर
(iv)	स्वीकृत प्रतिदाय की राशि				
	बैंक विवरण				
(v)	आवेदन के अनुसार बैंक खाता संख्या				
(vi)	बैंक का नाम				
(vii)	बैंक /शाखा का पता				
(viii)	आई एफ एस सी				
(ix)	एम आई सी आर				

तिथि:

स्थान:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-05
देखिए 91(3), 92(4), 92(5) और 94/

भुगतान परामर्श

भुगतान परामर्श संख्या

सेवा में, <केन्द्रीय> पीएओ/खजाना/आरबीआई/बैंक

प्रतिदाय स्वीकृति आदेश संख्या

आदेश तिथि.....<दिन /मास /वर्ष >.....

जी एस टी आई एन /यू आई एन/ अस्थायी आई डी <>

नाम: <>

प्रतिदाय राशि (आदेश के अनुसार) :

विवरण	एकीकृत कर						केन्द्रीय कर						राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						उपकर					
	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल
स्वीकृत शुद्ध प्रतिदाय की राशि																								
लंबित प्रतिदाय पर ब्याज																								
कुल																								
टिप्पण- कर के लिए "टी", ब्याज के लिए "आई", शास्ति के लिए "पी", फीस से लिए "एफ", अन्य के लिए "ओ"																								

	बैंक के ब्यौरे	
(i)	आवेदन के अनुसार बैंक खाता संख्या	
(ii)	बैंक का नाम	
(iii)	बैंक/शाखा का नाम और पता	
(iv)	आईएफएससी	
(v)	एमआईसीआर	

तिथि:

स्थान:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

सेवा में

.....(जीएसटीआईएन/यूआईएन/अस्थायी आईडी)

.....(नाम)

.....(पता)

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-06

/देखिए नियम 92 (1), 92(3), 92(4), 92(5) और 96(7)/

आदेश संख्या

तिथि: <दिन /मास /वर्ष >

सेवा में,

..... (जीएसटीआईएन/यूआईएन/अस्थायी आईडी)

.....(नाम)

.....(पता)

कारण बताओ नोटिस संख्या (यदि लागू हो)

अभिस्वीकृति संख्या

तिथि:.....<दिन /मास /वर्ष >.....

मंजूर किया गया प्रतिदाय/अस्वीकृत आदेश

महोदय/महोदया,

यह अधिनियम की धारा 54 के अधीन प्रतिदाय के लिए दायर किए गए आपके उपरोक्त वर्णित आवेदन के संदर्भ में /*प्रतिदाय पर ब्याज*/

<<प्रतिदाय मंजूर करने या नमंजूर करने के कारण, यदि कोई हो>>

आपके आवेदन का परीक्षण करने पर आपको मंजूर प्रतिदाय की राशि बकाया (जहां लागू है) के समायोजन के पश्चात् की जाएगी, जो निम्नलिखित है :-

*जहां लागू न हो उसे काट दें

1	एकीकृत कर						केन्द्रीय कर						राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						उपकर					
	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल
1. दावाकृत प्रतिदाय/ ब्याज* की राशि																								
2. अनन्तिम																								

1	एकीकृत कर						केन्द्रीय कर						राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						उपकर					
	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल
आधार पर स्वीकृत प्रतिदाय (आदेश संख्यातिथि) संख्यातिथि) (यदि लागू हो)																								
3. अग्राह्य प्रतिदाय राशि <<कारण नीचे करें>> <अनुज्ञात के लिए बहु कारण>																								
4. भुगतान की जाने वाली सकल राशि (1-2-3)																								
5. विद्यमान विधि या																								

1	एकीकृत कर						केन्द्रीय कर						राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर						उपकर					
	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल	टी	आई	पी	एफ	ओ	कुल
अधिनियम के अधीन परादेय मांग पर समायोजित राशि (यदि कोई है) मांग आदेश संख्या....., अधिनियम अवधि <संभव बहु पंक्तियां-दी गई पंक्तियां जोड़ें>																								
6. शुद्ध भुगतान राशि																								

टिप्पण-कर के लिए "टी", ब्याज के लिए "आई", शास्ति के लिए "पी", फीस से लिए "एफ", अन्य के लिए "ओ"

*जो लागू न हो उसे काट दें /

1. मैं, इसके द्वारा अधिनियम की धारा 56 के अधीन /अधिनियम की धारा 54 की उपधारा (5) के अधीन माल और सेवा कर पहचान संख्या रखने वाले मैसर्स.....को.....रूपए की राशि की मंजूरी देता हूं ।

जो लागू न हो उसे काट दें।

(क) और राशि को उसके द्वारा उसके आवेदन में विनिर्दिष्ट बैंक खाता में भुगतान किया गया है

(ख) राशि को उपरोक्त तालिका के क्रम संख्या 5 पर विनिर्दिष्ट बकाया की वसूली को समायोजित किया गया है ।

(ग)रुपए की राशि को उपरोक्त तालिका के क्रम संख्या 6 पर विनिर्दिष्ट बकाया की वसूली को समायोजित किया है और शेष.....रुपए की राशि को उसके द्वारा उसके आवेदन में विनिर्दिष्ट बैंक खाता में भुगतान कर दिया गया है ।

#जो लागू न हो उसे काट दें ।

या

2 मैं, इसके द्वारा अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन उपभोक्ता कल्याण निधि को आई एन आर.....की राशि जमा करता हूं ।

3 मैं, इसके द्वारा अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन माल और सेवा कर पहचान संख्या रखने वाले मैसर्स.....को आई एन आर.....की राशि को निरस्त करता हूं ।

जो लागू न हो उसे काट दें ।

मैं धारा 56 के अधीन आवेदक को प्रतिदाय की राशि की तिथि तक ब्याज के भुगतान का आदेश देता हूं ।

दिनांक:

स्थान:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-07

/देखिए नियम 92(1), 92(2), 96(6)/

संदर्भ संख्या

तिथि: <दिन /मास /वर्ष >

सेवा में,

..... (जीएसटीआईएन/यूआईएन/अस्थायी आईडी संख्या)

.....नाम

.....(पता)

अभिस्वीकृति संख्या

तिथि:.....<दिन /मास /वर्ष >.....

स्वीकृत प्रतिदाय के पूर्ण समायोजन के लिए आदेश

भाग - क

महोदय/महोदया,

उपरोक्त यथानिर्दिष्ट आपके प्रतिदाय आवेदन के संदर्भ में और आपको स्वीकृत किए गए प्रतिदाय की राशि के विरुद्ध और दी गई सूचना/फाइल किए गए दस्तावेज, निम्नलिखित ब्यौरों के अनुसार बकाया मांग के विरुद्ध पूर्ण रूप से समायोजित कर दिए गए हैं:-

	प्रतिदाय गणना	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य /संघ राज्यक्षेत्रकर	उपकर
(i)	दावाकृत प्रतिदाय की राशि				

(ii)	अनन्तिम आधार पर नेट मंजूर प्रतिदाय				
(iii)	अस्वीकृत अग्राह्य प्रतिदाय राशि <<कारण उल्लेख कीजिए>>				
(iv)	प्रतिदाय अनुज्ञेय (i-ii-iii)				
(v)	विद्यमान विधि के अधीन या इस विधि के अधीन बकाया मांग (आदेश संख्याके अनुसार) के विरुद्ध समायोजित प्रतिदाय मांग आदेश संख्या तिथि..... <बहु-पंक्तियों में दी जा सकती है>				
(vi)	प्रतिदाय राशि का शेष	शून्य	शून्य		शून्य

मैं, इसके द्वारा यह आदेश देता हूं कि उपरोक्त यथादर्शित दावाकृत/अनुज्ञेय प्रतिदाय की राशि इस अधिनियम के अधीन/विद्यमान विधि के अधीन बकाया मांग के विरुद्ध पूर्ण रूप से समायोजित कर ली जाए। इस आवेदन का निपटारा अधिनियम की धारा (.....) की उपधारा (.....) के अधीन उपबंधों के अनुसार किया गया है।

या

प्रतिदाय रोकने के लिए आदेश

यह आपके ऊपर निर्दिष्ट प्रतिदाय आवेदन और मामले में दी गई सूचना/दस्तावेजों के संदर्भ में है। आपको मंजूर किए गए प्रतिदाय की राशि निम्नलिखित कारणों से रोक दी गई है :

प्रतिदाय आदेश संख्या :					
आदेश जारी करने की तिथि:					
	प्रतिदाय गणना	एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य /संघ राज्यक्षेत्र कर	उपकर
i.	मंजूर प्रतिदाय की राशि				
ii.	रोके गए प्रतिदाय की राशि				
iii.	अनुज्ञेय प्रतिदाय की राशि				

प्रतिदाय रोकने के लिए कारण

<<पाठ>>					
---------	--	--	--	--	--

मैं, इसके द्वारा, यह आदेश देता हूँ कि उपरोक्त यथादर्शित दावाकृत अनुज्ञेय प्रतिदाय की राशि, इस अधिनियम के अधीन उपरोक्त वर्णित कारणों के लिए रोक दी गई। यह आदेश इस अधिनियम की धारा (.....) उपधारा (.....) के अधीन उपबंधों के अनुसार जारी किया गया है

तिथि:

स्थान:

हस्ताक्षर (डी एस सी):

नाम:

पदनाम:

कार्यालय पता:

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-10

[देखिए नियम 95(1)]

संयुक्त राष्ट्र का कोई विशिष्ट अभिकरण या कोई बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान और संगठन, कान्सुलेट या विदेशी राज्यों के दूतावास आदि द्वारा प्रतिदाय के लिए आवेदन

1. यूआईएन :

2. नाम :

3. पता :

4. कर अवधि (तिमाही) : दिन /मास /वर्ष सेतक

<दिन /मास /वर्ष >

5. दावा प्रतिदाय की राशि <भारतीय रूप में><शब्दों में>

	राशि
केन्द्रीय कर	
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	
एकीकृत कर	
उपकर	
कुल	

6. बैंक खाते का ब्यौरा:

(क) बैंक खाता संख्या

(ख) बैंक खाते का प्रकार

(ग) बैंक का नाम

(घ) खाता धारक/ संचालक का नाम

(ङ) बैंक शाखा का पता

(च) आई एफ एस सी

(छ) एम आई सी आर

7. संदर्भ संख्या और दिए गए प्ररूप जीएसटीआर-11 की तिथि

8. सत्यापन

मैं,>दूतावास/अंतर्राष्ट्रीय संगठन का नाम> का प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में इसके द्वारा, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

यह कि हम सरकार द्वारा अधिसूचित संयुक्त राष्ट्र का विशिष्ट अभिकरण बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान और संगठन, कान्सुलेट या विदेशी राज्यों के दूतावास कोई अन्य व्यक्ति विशिष्ट व्यक्तियों का वर्ग के रूप में ऐसे प्रतिदाय दावा के पात्र हैं।

स्थान:

दिनांक:

प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

(नाम)

पदनाम/पदवी

8. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटी टीआरएएन-2 में,--

- (i) पैरा 5 में, खाना 6 के उपर "केन्द्रीय कर" शब्दों के स्थान पर, "राज्य कर" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे; तथा
- (ii) अन्त में, निम्नलिखित प्ररूप जोड़ दिए जाएंगे, अर्थातः--

प्ररूप जीएसटी आरएफडी-11

/देखिए नियम 96क/

माल या सेवाओं के निर्यात के लिए दिया गया बंधपत्र या परिवचन पत्र

1. जीएसटीआईएन				
2. नाम				
3. दिए गए दस्तावेज का प्रकार उपदर्शित करें				
बंधपत्र <input type="checkbox"/> परिवचन पत्र <input type="checkbox"/>				
4. दिए गए बंधपत्र का ब्यौरा				
क्रम संख्या	बैंक गारंटी की संदर्भ संख्या	तिथि	राशि	बैंक का नाम और शाखा
1	2	3	4	5

टिप्पण.- बैंक गारंटी और बंधपत्र की हार्ड प्रति अधिकारिता अधिकारी को दी जाएगी ।

5. घोषणा-

- (i) ऊपर उल्लिखित बैंक गारंटी, माल और सेवाओं के निर्यात पर भुगतानयोग्य एकीकृत कर को सुरक्षित करने के लिए प्रस्तुत की गई है ।
- (ii) मैं, बैंक गारंटी की समाप्ति से पूर्व इसका नवीकरण करवाने का वचन देता हूँ । मेरे/हमारे द्वारा ऐसा करने में विफल रहने की दशा में, विभाग, बैंक से बैंक गारंटी पर भुगतान लेने के लिए पूर्ण रूप से स्वतंत्र होगा ।
- (iii) विभाग, माल या सेवा के निर्यात के संदर्भ में भुगतानयोग्य एकीकृत कर की राशि को आच्छादित करने के लिए हमारे द्वारा दी गई बैंक गारंटी को अवलंब करने के लिए पूर्णतः स्वतंत्र होगा ।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

नाम

पदनाम/पदवी.....

दिनांक.....

"एकीकृत कर के भुगतान के बिना माल या सेवाओं के निर्यात के लिए बंधपत्र

(देखिए नियम 96क)

मैं/हम.....इसमें इसके पश्चात् "बाध्यताधारी (बाध्यताधारियों)" कहा गया है, भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "राष्ट्रपति" कहा गया है) के प्रति.....रूपए की राशि का राष्ट्रपति को भुगतान करने के लिए वचनबद्ध और दृढ़तापूर्व आबद्ध हूँ/हैं ।

इसका भुगतान पूर्णतः और सही रूप में किए जाने के लिए मैं/हम संयुक्त रूप से और पृथकतः स्वयं को/अपने को और अपने/हमारे क्रमिक वारिसों/निष्पादकों/प्रशासकों/विधिक प्रतिनिधियों/उत्तरवर्तियों को इस विलेख द्वारा दृढ़तापूर्वक आबद्ध करता हूँ/करते हैं/तिथि.....को इस पर हस्ताक्षर किए गए हैं ।

चूंकि उपरोक्त आबद्धकर बाध्यताधारी को समय-समय पर एकीकृत कर का भुगतान किए बिना भारत के बाहर निर्यात के लिए माल या सेवाओं के प्रदाय के लिए अनुज्ञात किया गया है ;

और चूंकि बाध्यताधारी धारा 16 की उपधारा (3) के खंड (क) के उपबंधों के अनुसार माल या सेवाओं का निर्यात करने का इच्छुक है

और चूंकि आयुक्त, बाध्यताधारी से राष्ट्रपति के पक्ष में पृष्ठांकित.....रूपए राशि की बैंक प्रतिभूति देने की अपेक्षा करता है और जबकि बाध्यताधारी ने आयुक्त के पास ऊपर उल्लिखित बैंक प्रत्याभूति जमा करके ऐसी प्रतिभूति दे दी है ।

इस बंधपत्र की शर्त यह है कि बाध्यताधारी और उसका प्रतिनिधि, माल या सेवाओं के निर्यात से संबंधित अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के सभी उपबंधों का पालन करें ;

और यदि सुसंगत और विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं का सम्यक् रूप से निर्यात किया जाता है;

और यदि ऐसे एकीकृत कर और अन्य सभी विधिक प्रभारों के सभी शोध्यों का ब्याज सहित, यदि कोई हो, सम्यक् रूप से, उक्त अधिकारी द्वारा लिखित में की गई उसकी मांग की तिथि से पन्द्रह दिन के भीतर भुगतान कर दिया गया है तो यह बाध्यता शून्य हो जाएगी ;

अन्यथा और इस शर्त के किसी भाग के पालन का भंग या असफल होने के आधार पर उसका पूर्ण बल और आधार होगा ;

और राष्ट्रपति, अपने विकल्प पर, बैंक प्रत्याभूति की राशि से या ऊपर लिखित बंधपत्र के अधीन अपने अधिकारों का पृष्ठांकन करके या दोनों से सभी हानि और नुकसानों को पूरा करवाने के लिए सक्षम होंगे ।

मैं/हम यह और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यह बंधपत्र, किसी ऐसे कृत्य के अनुपालन के लिए, जिसमें जनता हितबद्ध है, सरकार के आदेशों के अधीन दिया गया है ;

इसके साक्ष्य स्वरूप बाध्यताधारी (बाध्यताधारियों) द्वारा इसमें इसके पूर्व लिखित तिथि को इनकी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए ।

बाध्यताधारी (बाध्यताधारियों) का (के) हस्ताक्षर

तिथि :

स्थान :

साक्षी

(1) नाम और पता

व्यवसाय

(2) नाम और पता

व्यवसाय

मैं आज,(मास).....(वर्ष) के.....(दिन) को
(पदनाम) की उपस्थिति में भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से इसे स्वीकार करता हूं ।

एकीकृत कर के भुगतान के बिना माल या सेवाओं के निर्यात के लिए परिवचनपत्र

(देखिए नियम 96क)

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके पश्चात "राष्ट्रपति" कहा गया है), समुचित अधिकारी के माध्यम से कार्य करते हुए

मैं/हम..... निवासी(रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति का पता), जिसका/जिनका माल और सेवा कर पहचान संख्या है, इसमें इसके पश्चात परिवचनकर्ता कहा जाएगा, संयुक्त रूप से और पृथक् रूप से स्वयं को/अपने को, मेरे/हमारे वारिसों, निष्पादकों/प्रशासकों, विधिक प्रतिनिधियों/उत्तरवर्तियों तथा समुनदेशी सहित राष्ट्रपति के प्रति,--

- (क) नियम 96क के उपनियम (1) में निर्दिष्ट समय के भीतर एकीकृत कर का भुगतान किए बिना माल और सेवाओं का निर्यात करने ;
- (ख) माल या सेवाओं के निर्यात से संबंधित माल और सेवा कर अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के सभी उपबंधों का पालन करने ;
- (ग) माल या सेवाओं के निर्यात करने में असफल होने पर बीजक की तिथि से भुगतान की तिथि तक भुगतान नहीं की राशि पर प्रति वर्ष अठारह प्रतिशत ब्याज के बराबर राशि सहित एकीकृत कर का भुगतान करने,

आज तिथि को इस विलेख द्वारा दृढ़तापूर्वक आबद्ध करता हूँ/करते हैं ।

मैं/हम इसके द्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यह परिवचन ऐसी अधिनियमितियों, जिनमें जनताहितबद्ध है की अनुपालन के लिए समुचित अधिकारी के आदेश के अधीन दिया जाता है ।

इसके साक्ष्य स्वरूप परिवचनकर्ता (परिवचनकर्ताओं) द्वारा इसमें इसके पूर्व तिथि को इनकी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए ।

परिवचनकर्ता (परिवचनकर्ताओं) का (के) हस्ताक्षर

तिथि :

स्थान :

साक्षी

(1) नाम और पता

व्यवसाय

(2) नाम और पता

व्यवसाय

मैं आज,तिथि.....(मास)(वर्ष) को (पदनाम) की उपस्थिति में भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से इसे स्वीकार करता हूँ ।

प्ररूप जीएसटी आईएनएस - 01

निरीक्षण और तलाशी के लिए प्राधिकरण

(देखिए नियम 139(1))

सेवा में,

.....

.....

(अधिकारी का नाम और पदनाम)

चूंकि, मेरे समक्ष सूचना प्रस्तुत की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि.....

अ. मैसर्स.....

- माल और /या सेवाओं के प्रदाय से संबंधित संव्यवहारों को छिपाया गया है
- हस्तगत माल के स्टॉक से संबंधित संव्यवहारों को छिपाया गया है
- अधिनियम के अधीन अपने हकदारी के अतिरिक्त निवेश कर प्रत्यय का दावा किया है
- अधिनियम के अधीन अपने हकदारी के अतिरिक्त प्रतिदाय का दावा किया है
- इस अधिनियम के अधीन कर का अपवंचन, करने के लिए इस अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों के प्रावधानों के उल्लंघन में अनुग्रह किया है ;

या

आ. मैसर्स.....

- माल के भुगतान से बच निकलने के लिए माल परिवहन के कारबार में वचनबद्ध किया है;
- कर के भुगतान से बचने के लिए भांडागार या गोदाम या स्थान के स्वामी या प्रचालक द्वारा जहां माल का भंडार किया गया है;
- इस अधिनियम के अधीन भुगतानयोग्य कर का अपवंचन करने के लिए उस रीति में लेखा या माल को रखा गया है

या

इ

- अधिनियम के अधीन प्रक्रियाओं से सुसंगत जब्तीयोग्य माल/ दस्तावेजों को कारबार/ आवासीय परिसर में गुप्त रखा गया है, जिसका ब्यौरा निम्नलिखित है

<<परिसरों का ब्यौरे>>

इसलिए.—

- मैं, अधिनियम की धारा 67 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं आपको प्राधिकृत करता हूँ और अपेक्षा करता हूँ कि आवश्यक सहायक के साथ उक्त अधिनियम और इसके अधीन बनाये गए नियमों के अधीन प्रक्रियाओं से सुसंगत माल या दस्तावेजों और/या अन्य वस्तुओं का निरीक्षण करें ।

या

- मैं, अधिनियम की धारा 67 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं आपको प्राधिकृत करता हूँ और अपेक्षा करता हूँ कि आवश्यक सहायक के साथ उक्त अधिनियम और इसके अधीन बनाये गए नियमों के अधीन प्रक्रियाओं से सुसंगत माल या दस्तावेजों और/या अन्य वस्तुओं का निरीक्षण करें और यदि कुछ पाया जाता है, तो इसके अधीन आगे की कार्यवाही के लिए उसे जब्त करके उसे प्रस्तुत करें ।

किसी व्यक्ति द्वारा भुलावा देने का, साक्ष्य को बिगाड़ने का, निरीक्षण/ तलाशी की प्रक्रिया के दौरान सुसंगत प्रश्नों का उत्तर देने से इंकार करने का कोई भी प्रयत्न, भारतीय दण्ड संहिता की धारा 179, 181, 191 और 418 सपठित अधिनियम के अधीन कारावास और/ या जुर्माना के साथ दण्डनीय होगा ।

दिन.....मास.....20.....वर्ष मैं मेरा हस्ताक्षर और मुद्रा।
.....दिनों के लिए वैध ।

मुद्रा

स्थान

जारी करने वाले प्राधिकारी का

हस्ताक्षर, नाम और पदनाम

निरीक्षण करने वाले अधिकारी/अधिकारियों का नाम, पदनाम और हस्ताक्षर

(i)

(iii)

प्ररूप जीएसटी आईएनएस - 02**अभिग्रहण का आदेश**

(देखिए नियम 139(2))

चूंकि मेरे द्वारा, धारा 67 की उपधारा (1) के अधीन निरीक्षण/उपधारा (2) के अधीन तलाशी, तिथि /...../.....पूर्वान्ह/अपरान्ह को निम्नलिखित परिसर/परिसरों में संचालित किया गया:-

<<परिसरों का ब्यौरे>>

जिसका स्थान/कारबार का स्थान/परिसर है/हैं

<<व्यक्ति का नाम>>

<< जीएसटीआईएन, यदि रजिस्ट्रीकृत हो >>

निम्नलिखित साक्षी/साक्षियों की उपस्थिति में :

1. << नाम और पता>>

2. << नाम और पता>>

और निरीक्षण/तलाशी के दौरान पाये गये लेखाबही, रजिस्टर, दस्तावेज/कागज और माल की संवीक्षा करने के पश्चात्, मुझे विश्वास करने का कारण है कि इस अधिनियम के अधीन प्रक्रियाओं के लिए या से सुसंगत जब्तीयोग्य माल और/या दस्तावेज और/या पुस्तकें और/या उपयोगी वस्तुएं उपर्युक्त वर्णित स्थान (स्थानों) में गुप्त रखे गये हैं ।

इसलिए मैं धारा 67 की उप-धारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित माल/पुस्तक/दस्तावेज और वस्तुओं को एतत् द्वारा अभिग्रहित करता हूं :

अ) अभिग्रहीत माल के ब्यौरे :

क्रम संख्या	माल का वर्णन	मात्रा या ईकाई	मेक/चिन्ह या मॉडल	टिप्पणियां
1	2	3	4	5

आ) अभिग्रहीत की गई पुस्तकें/दस्तावेजों/वस्तुओं के ब्यौरे :

क्रम संख्या	अभिग्रहीत की गई पुस्तकें/दस्तावेजों/वस्तुओं का वर्णन	अभिग्रहीत की गई पुस्तकें/दस्तावेजों/वस्तुओं की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4

और ये माल और चीजें संभाल कर सुरक्षित रखने के लिए है ;

<<नाम और पता>>

इस निर्देश के साथ कि वह समनुदेशिती की पूर्व अनुमति के बिना माल या वस्तुओं, उसके भाग या उसके साथ अन्यथा व्यवहार नहीं करेगा ।

स्थान:

अधिकारी का नाम और पदनाम

दिनांक:

साक्षियों का हस्ताक्षर

क्रम संख्या	नाम और पता	हस्ताक्षर
1.		
2.		

सेवा में:

<<नाम और पता>>

प्ररूप जीएसटी आईएनएस-03**प्रतिषेध का आदेश**

(देखिए नियम 139(4))

जबकि मेरे द्वारा धारा 67 की उप-धारा (1) के अधीन निरीक्षण/उप-धारा (2) के अधीन तलाशी, तिथि...../...../..... :पूर्वान्ह/अपरान्ह को निम्नलिखित परिसर/परिसरों में संचालित किया गया :

<<परिसरों के ब्यौरे>>

जिसका स्थान/कारबार का स्थान/परिसर है/हैं :

1. <<व्यक्ति का नाम>>

2. <<जीएसटीआईएन, यदि रजिस्ट्रीकृत हो>>

निम्नलिखित साक्षी/साक्षियों की उपस्थिति में :

1. <<नाम और पता>>

2. <<नाम और पता>>

और निरीक्षण/तलाशी के दौरान पाये गये लेखाबही, रजिस्टर, दस्तावेज/कागज और माल की संवीक्षा करने के पश्चात, मुझे विश्वास करने का कारण है कि इस अधिनियम के अधीन प्रक्रियाओं के लिए या से सुसंगत जब्ती योग्य माल/और या दस्तावेज और/या पुस्तकें और/या उपयोगी वस्तुएं उपर्युक्त वर्णित स्थान (स्थानों) में गुप्त रखे गये हैं ।

इसलिए मैं धारा 67 की उप-धारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतत् द्वारा आदेश करता हूं कि आप समनुदेशिती की पूर्व अनुमति के बिना माल, उसके भाग या उसके साथ अन्यथा व्यवहार नहीं करेंगे/करायेंगे :

क्रम संख्या	माल का विवरण	मात्रा और ईकाई	मेक/चिन्ह और मॉडल	टिप्पणियां
1	2	3	4	5

स्थान:

अधिकारी का नाम और पदनाम

तिथि:

साक्षियों के हस्ताक्षर

	नाम और पता	हस्ताक्षर
1.		
2.		

सेवा में:

<<नाम और पता>>

प्ररूप जीएसटी आईएनएस - 04

(देखिए नियम 140(1))

अभिगृहीत माल के निर्मुक्त के लिए बंधपत्र

मैं..... के तत्पश्चात् "बाध्यताधारी" कहा गया है, भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे "राष्ट्रपति" कहा गया है) और/..... (राज्यपाल) (इसमें आगे "राज्यपाल" कहा गया है) के लिए धारित और दृढ़ आबद्ध हूं, रुपए की राशि राष्ट्रपति/राज्यपाल हेतु भुगतान के लिए जिसे भुगतान किया जाएगा। मैं संयुक्त रूप से और पृथक्: रूप से स्वयं आबद्ध हूं और मेरे वारिस/निष्पादकों/विधिक प्रतिनिधित्व और इन वर्तमान द्वारा समनुदेशित किया गया है।

चूंकि धारा 67 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसार, आदेश संख्या तिथि द्वारा अभिगृहीत किया गया है, रुपए के कर की राशि अन्तर्वलित करते हुए मूल्य..... के रुपए में है। अनुरोध पर माल मूल्य के बंधपत्र और प्रति रुपए की प्रतिभूति बंधपत्र के निष्पादन पर समुचित अधिकारी द्वारा अनन्तिम रूप से निर्मुक्त किए जाने के लिए अनुज्ञात की गई है जिसे नकदी/बैंक गारंटी, राष्ट्रपति/राज्यपाल के पक्ष में प्रस्तुत किया गया है।

चूंकि मैं स्वयं के लिए अनन्तिम रूप से निर्मुक्त उक्त माल उत्पन्न करने के लिए परिवचन पत्र करता हूं और जब अधिनियम के अधीन प्राधिकृत सम्यक् समुचित अधिकारी द्वारा अपेक्षित हो।

और यदि समुचित प्राधिकारी द्वारा विधिपूर्ण प्रभारित मांग द्वारा सभी कर, ब्याज, शास्ति, जुर्माना उक्त समुचित अधिकारी द्वारा लिखित रूप में किया जाएगा, यह बाध्यता शून्य होगी ;

अन्यथा, इस दशा में किसी भाग के निष्पादन में भंग या असफल होने पर पूर्णतः बल होगा।

और राष्ट्रपति/राज्यपाल, इसके विकल्प में सभी हानियां और उपर्युक्त लिखित बंधपत्र या दोनों के अधीन इसके पृष्ठांकन द्वारा या प्रतिभूति निक्षेप की राशि से नुकसानी ठीक करने के लिए सक्षम होगा।

बाध्यताधारी (यों) द्वारा लिखित के समक्ष के समय हस्ताक्षरित किए गए हैं।

तिथि :

बाध्यताधारी (यों) के हस्ताक्षर (रों)

स्थान :

साक्षी :-

(1) नाम और पता :

(2) नाम और पता :

तिथि :

स्थान :

आज तिथि (मास) वर्ष को (समुचित प्राधिकारी का पदनाम) राष्ट्रपति/राज्यपाल के लिए और उनकी ओर से स्वीकार करता हूं।

(अधिकारी के हस्ताक्षर)

प्ररूप जीएसटी आईएनएस-05**विकारी या संकटमय के माल/वस्तुएं के निर्मुक्त का आदेश**

(देखिए नियम 141(1))

निम्नलिखित परिसर (परिसरों) से को निम्नलिखित माल और/या चीजें अभिग्रहीत किए गए थे :

«परिसर के ब्यौरे»

जो स्थान/कारबार के स्थान/ संबंधित परिसरों के लिए :

«व्यक्ति का नाम»

«जीएसटी आईएन रजिस्ट्रीकृत»

अभिग्रहीत माल के ब्यौरे

क्रम संख्या	माल का वर्णन	मात्रा या यूनिटें	मेक/चिन्ह या टिप्पण	टिप्पणियां
1	2	3	4	5

और चूंकि ये माल, विकारी या परिसंकटमय प्रकृति के हैं और चूंकि राशि रुपए (शब्दों और अंकीय में राशि) राशि समतुल्य होते हुए के लिए;

- ऐसे माल या चीजों की बाजार कीमत
- कर, ब्याज और शास्ति की राशि जोकि भुगतानयोग्य है या भुगतानयोग्य हो सकती है का भुगतान कर दिया है, मैं इसके द्वारा आदेश करता हूं कि उपरोक्त उल्लिखित माल अविलंब निर्मुक्त किया जाए ।

स्थान:

अधिकारी का नाम और पदनाम

तिथि:

सेवा में,

«नाम और पदनाम»

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 01

[देखिए नियम 142(1)]

संदर्भ संख्या.....

तिथि

सेवा में

.....जीएसटीआईएन/आईडी

नाम.....

पता

.....कर अवधि वित्तीय वर्ष.....अधिनियम

धारा/उपधारा जिसके अधीन कारण बताओ सूचना जारी की गई है

एससीएन संदर्भ संख्या

तिथि

.....

कारण बताओ सूचना का संक्षिप्त विवरण

(क) मामले को संक्षिप्त तथ्य

(ख) आधार

(ग) कर और अन्य शोध

(रुपए में राशि)

क्रम संख्या	कर अवधि	अधिनियम	प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)	कर/उपकर	अन्य	योग
1	2	3	4	5	6	7
योग						

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 02**(देखिए नियम 142(1)(ख))**

संदर्भ संख्या

तिथि.....

.....जीएसटीआईएन/आईडी

नाम.....

पता

एससीएन संदर्भ संख्या.....

तिथि.....

कथन/संदर्भ संख्या

तिथि.....

धारा/उपधारा जिसके अधीन कथन जारी किया जा रहा है ।

कथन का संक्षिप्त में

(क) मामले का संक्षिप्त तथ्य

(ख) आधार

(ग) कर और अन्य शोध्य

(रुपए में राशि)

क्रम संख्या	कर अवधि	अधिनियम	प्रदाय का स्थान (राज्य का नाम)	कर/उपकर	अन्य	योग
1	2	3	4	5	6	7
योग						

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 03

[देखिए नियम 142(2) और 142(3)]

स्वैच्छिक रूप से किया गया भुगतान की सूचना या किया गया कारण बताओ नोटिस (एससीएन) के प्रति या कथन

1.	जीएसटीआईएन	<< नीचे करें >> लेखा परीक्षा, अन्वेषण, स्वैच्छिक/एससीएन, अन्य (विनिर्दिष्ट करें) << नीचे करें >>								
2.	नाम									
3.	भुगतान के हेतुक									
4.	वह धारा जिसके अधीन स्वैच्छिक भुगतान किया गया है ।									
5.	कारण बताओ नोटिस के ब्यौरे, यदि इसके जारी के 30 दिन के भीतर भुगतान किया गया है ।	संदर्भ संख्या	जारी की तिथि							
6.	वित्तीय वर्ष									
7.	ब्याज और शास्ति सहित किए गए भुगतान के ब्यौरे	(राशि रुपए में)								
क्रम संख्या	कर अवधि	अधिनियम	प्रदाय का स्थान (पीओएस)	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति, यदि प्रयोज्य	योग	उपयोग किए गए खाते	विकलन प्रविष्टि सं०	विकलन प्रविष्टि की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

8. कारण, यदि कोई हो - <<पाठ खाना>>

9. सत्यापन -

मैं तदनुसार सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं कि यहां उपरोक्त दी गई सूचना सर्वोत्तम जानकारी सत्य और सही है और कोई बात छिपाया नहीं गया है ।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का हस्ताक्षर

नाम.....

पदनाम/पदवी

तिथि,.....

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 04*[देखिए नियम 142(2)]*

संदर्भ संख्या:

तिथि:

सेवा में,

----- जीएसटीआईएन/आईडी

----- नाम

----- पता

कर अवधि -----

वित्तीय वर्ष -----

एआरएन -

तिथि -

स्वेच्छा से किए गए भुगतान की स्वीकृति की अभिस्वीकृति

उपरोक्त निर्दिष्ट आवेदन द्वारा आपके द्वारा किए गए भुगतान की, संदत्त की गई राशि के विस्तार तक और उसमें कथित कारणों के लिए अभिस्वीकृति की जाती है ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 05*[देखिए नियम 142(3)]*

संदर्भ संख्या:

तिथि:

सेवा में,

_____ जीएसटीआईएन/आईडी

----- नाम

_____ पता

कर अवधि -----

वित्तीय वर्ष -----

एससीएन

तिथि -

एआरएन -

तिथि -

कार्यवाहियों के निष्कर्ष की सूचना

यह उपरोक्त कारण बताओ सूचना के संदर्भ में है। जैसा कि आपने.....धारा के उपबंधों के अनुसरण में लागू ब्याज और शास्ति के साथ सूचना में उल्लिखित कर की राशि और अन्य बकाया भुगतान कर दिया है, उक्त सूचना द्वारा प्रारम्भ की गई कार्यवाहियां समाप्त की जाती हैं।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 06

[देखिए नियम 142(4)]

कारण बताओ सूचना का प्रतिउत्तर

1. जीएसटीआईएन		
2. नाम		
3. कारण बताओ सूचना के ब्यौरे	संदर्भ संख्या	जारी करने की तिथि
4. वित्तीय वर्ष		
5. प्रतिउत्तर		
<< टेक्स्ट बॉक्स >>		
6. अपलोड किया गया दस्तावेज		
<<दस्तावेजों की सूची >>		
7. वैयक्तिक सुनवाई के लिए विकल्प	<input type="checkbox"/> हां	<input type="checkbox"/> नहीं

8. सत्यापन -

मैं सत्यनिष्ठ प्रतिज्ञान करता हूं और यह घोषणा करता हूं कि उपरोक्त दी गई सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

नाम _____

पदनाम/पदवी _____

तिथि -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 07*[देखिए नियम 142(5)]***आदेश का सार****1. आदेश के ब्यौरे -**

(क) आदेश संख्या (ख) आदेश की तिथि (ग) कर अवधि -

2. अन्तर्वर्तित विवादक--<नीचे देखें>

वर्गीकरण, मूल्यांकन, कर की दर, व्यापारावर्त का अधिक्रमण,
आईटीसी दावे का आधिक्य, मुक्त किए गए प्रतिदाय का आधिक्य,
पूर्ति का स्थान, अन्य (विनिर्दिष्ट करें)

3. मालों/सेवाओं का विवरण --

क्रम संख्या	एचएसएन	विवरण

4. मांग के ब्यौरे

(राशि रुपयों में)

क्रम संख्या	कर की दर	व्यापारावर्त	पूर्ति का स्थान	अधिनियम	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति
1	2	3	4	5	6	7	8

5. जमा की गई राशि

क्रम संख्या	कर की अवधि	अधिनियम	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
कुल							

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 08*[देखिए नियम 142(7)]*

संदर्भ सं.:

तिथि :

आदेश का परिशोधन

उद्देशिका - << मानक >> (केवल आदेश के लिए लागू)

मूल आदेश की विशिष्टियां			
कर की अवधि, यदि कोई हो			
धारा, जिसके अधीन आदेश पारित किया गया है			
आदेश संख्या		जारी करने की तिथि	
उपबंध निर्धारण आदेश संख्या, यदि कोई हो		आदेश की तिथि	
एआरएन, यदि परिशोधन के लिए लागू हो		एआरएन की तिथि	

.....उपरोक्त निर्दिष्ट आदेश के परिशोधन के लिए आपका आवेदन संतोषप्रद पाया गया है;

.....यह मेरे ज्ञान में आया है कि उपरोक्त आदेश के परिशोधन की आवश्यकता है;

परिशोधन का कारण -

<< पाठ बाक्स >>

मांग के ब्यौरे, परिशोधन के पश्चात्, यदि कोई हो

(राशि रुपयों में.)

क्रम संख्या	कर की दर	व्यापार आवर्त	प्रदाय का स्थान	अधि नियम	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति
1	2	3	4	5	6	7	8

उपरोक्त आदेश, नीचे दिये हुए अनुसार धारा 161 के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में परिशोधित किया जाता है:

<< पाठ >>

सेवा में,

_____ (जीएसटीआईएन/आईडी)

-----नाम

_____ (पता)

प्रति -

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 09*[देखिए नियम 143]*

सेवा में,

व्यतिक्रमी के ब्यौरे -

जीएसटीआईएन -

नाम -

मांग आदेश संख्या:

तिथि:

वसूली की संदर्भ संख्या:

अवधि:

तिथि:

विनिर्दिष्ट अधिकारी के माध्यम से धारा 79 के अधीन वसूली के लिए आदेश

जहां कर, उपकर, ब्याज और शास्ति के लेखे <<----->> रुपये की राशि <<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/सेस>> अधिनियम के उपबंधों के अधीन उपरोक्त व्यक्ति, जो ऐसी राशि का भुगतान करने में विफल हो चुका है, द्वारा संदेय है। बकाया के ब्यौरे नीचे दी गई सारणी में दिए गए हैं:

(राशि रुपयों में)

अधिनियम	कर/उपकर	ब्याज	शास्ति	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6
एकीकृत कर केन्द्रीय कर					
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर					

उपकर					
कुल					

<< टिप्पणियां>>

आपसे, <<एसजीएसटी>>अधिनियम की धारा 79 के उपबंधों के अधीन उपरोक्त लिखित << व्यक्ति >> से बकाया राशि वसूल करना अपेक्षित है ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तिथि:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 10

(देखिए नियम 144(2))

अधिनियम की धारा 79 (1)(ख) के अधीन माल के नीलामी की सूचना

मांग आदेश संख्या:

तिथि:

अवधि:

मेरे द्वारा ---- रुपए और उस पर ब्याज की वसूली के लिए नीचे अनुसूची में विनिर्दिष्ट कुर्के किए गए या करस्थम किए गए माल के विक्रय के लिए आदेश किया गया है और जो धारा 79 के उपबंधों के अनुसरण में वसूली प्रक्रिया पर उपगत व्यय ग्राह्य है ।

विक्रय लोक नीलामी द्वारा किया जाएगा और माल अनुसूची में विनिर्दिष्ट लाट में विक्रय के लिए रखा जाएगा । विक्रय व्यतिक्रमी के अधिकार, हक और हितों के लिए किया जाएगा और उक्त संपत्तियों के लिए संलग्न दायित्व और दावे, जिस प्रकार उन्हें सुनिश्चित किया गया है, प्रत्येक लाट के सामने अनुसूची में उन्हें विनिर्दिष्ट किया गया है ।

नीलामी..... पर प्रातः/सांय को आयोजित की जाएगी। नीलामी के तिथि से पूर्व देय सम्पूर्ण राशि का भुगतान हो जाने पर विक्रय रोक दिया जाएगा ।

प्रत्येक लाट की कीमत विक्रय के समय या समुचित अधिकारी/विनिर्दिष्ट अधिकारी के निदेशों के अनुसार संदत्त की जाएगी और भुगतान के व्यतिक्रम में माल को पुनः नीलामी और पुनः विक्रय के लिए रखा जाएगा ।

अनुसूची

क्रम संख्या	माल का विवरण	मात्रा
1	2	3

हस्ताक्षर.....

स्थान:

नाम

तिथि:

पदनाम

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 11*(देखिए नियम 144(5) और 147(12))***सफलतापूर्वक बोली लगाने वाले के लिए सूचना**

सेवा में,

कृपया लोक नीलामी निर्देश संख्या तिथिका निर्देश लें । को आयोजित नीलामी के आधार पर, तत्काल मामले में आप सफलतापूर्वक बोली लगाने वाले पाए गए हैं।

आपसे इसके द्वारा नीलामी के तिथि से पन्द्रह दिन अवधि के भीतर रुपए का भुगतान करने की अपेक्षा की जाती है ।

आपको माल का कब्जा बोली की राशि के पूर्णरूप से भुगतान करने के पश्चात आपको अंतरित किया जाएगा।

हस्ताक्षर.....

स्थान:

नाम

तिथि:

पदनाम

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 12

(देखिए नियम 144(5) और 147(12))

विक्रय प्रमाण पत्र

मांग आदेश संख्या:

वसूली की संदर्भ संख्या:

तिथि:

अवधि:

यह प्रमाणित किया जाता है कि निम्नलिखित माल:

अनुसूची (जंगम माल)

क्रम संख्या	माल का विवरण	मात्रा
1	2	3

अनुसूची (स्थावर माल)

भवन संख्या/ फ्लैट संख्या	फ्लोर संख्या	स्थान/ भवन का नाम	सड़क/गली	अवस्थान/ ग्राम	जिला	राज्य	पिनकोड	अक्षान्तर (विकल्प)	देशान्तर (विकल्प)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

अनुसूची (शेयर)

क्रम संख्या	कंपनी का नाम	मात्रा	मूल्य
1	2	3	4

<<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/उपकर>> अधिनियम की धारा 79 (1) (ख) (घ) के उपबंधों औरउसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसरण में रुपए की वसूली के लिए माल की लोक नीलामी मेंपर के लिए विक्रय किया गया है और उक्त (क्रेता) ने विक्रय के समय उक्त माल के क्रेता होने के घोषणा कर दी है। उक्त माल की विक्रय कीमत को प्राप्त हुई थी । विक्रय को सुनिश्चित किया गया था ।

हस्ताक्षर.....

स्थान:

नाम

तिथि:

पदनाम

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 13

(देखिए नियम 145(1))

धारा 79(1)(ग) के अधीन तीसरे व्यक्ति के लिए नोटिस

सेवा में,

.....

व्यतिक्रमी की विशिष्टियां

जीएसटीआईएन.....

नाम.....

मांग आदेश संख्या:

तिथि:

वसूली की संदर्भ संख्या:

तिथि :

अवधि :

कर, उपकर, ब्याज और शास्ति की राशि पर <<.....>> रुपए की राशि <जीएसटीआईएन>> धारण करने वाले <<कराधेय व्यक्ति का नाम>> जो ऐसी राशि का भुगतान करने में विफल हो गया है, के द्वारा<<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/उपकर >> अधिनियम के उपबंधों के अधीन भुगतान योग्य है; और/या

यह प्रेक्षित है कि आपसे उक्त कराधेय व्यक्ति के लिए.....रुपए की राशि देय है या देय हो सकती है; या

यह प्रेक्षित है कि उक्त व्यक्ति के लिए या उस पररुपए की राशि आपके पास है या आपके पास होने की संभावना है।

आपको अधिनियम की धारा 79 की उपधारा(1) के खंड (ग) (i) में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुपालन में देय के होने या हो सकने वाले धन पर यासरकार के लिएरुपए की राशि का भुगतान करने के लिए निदेश दिया जाता है ।

कृपया नोट करे कि इस सूचना के अनुपालन में आपके द्वारा कोई भुगतान उक्त कराधेय व्यक्ति के प्राधिकार के अधीन किए जाने के प्रति उक्त अधिनियम की धारा 79 के अधीन समझा जाएगा और प्ररूप जीएसटी डीआरसी-14 में सरकार से प्रमाण पत्र आपके दायित्व का प्रमाण पत्र में विनिर्दिष्ट राशि के विस्तार के लिए ऐसे व्यक्ति के प्रति उत्तम और पर्याप्त रुप से निर्वहन किया जाएगा ।

कृपया यह भी नोट करे कि यदि इस सूचना की प्राप्ति के पश्चात उक्त कराधेय व्यक्ति के लिए किसी दायित्व का आपने निर्वहन किया है, आप कर, उपकर ब्याज और शास्ति के लिए कराधेय व्यक्ति के दायित्व के विस्तार के लिए या निर्वहन किए जाने वाले दायित्व के विस्तार के लिए जो भी कम हो, अधिनियम की धारा 79 के अधीन राज्य/केन्द्रीय सरकार के लिए वैयक्तिक रूप से दायी होंगे।

कृपया नोट करे कि इस सूचना के अनुसरण में भुगतान करने में आप विफल होते हैं, आपको इस सूचना में विनिर्दिष्ट राशि के संबंध में व्यतिक्रमी समझा जाएगा और अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियम के परिणामस्वरूप पालन किया जाएगा ।

हस्ताक्षर.....

स्थान:

नाम

तिथि:

पदनाम

प्ररुप जीएसटी डीआरसी - 14*(देखिए नियम 145(2))***तीसरे व्यक्ति के लिए भुगतान का प्रमाण पत्र**

प्ररुप जीएसटी डीआरसी-13 में आपको जारी सूचना के प्रतिउत्तर में बोली लगाने वाली निर्देश संख्या..... तिथि को आपको नीचे दिए गए व्यतिक्रमी के नाम के लिएरुपए का भुगतान करने के लिए आपको दायित्व का निर्वहन करना:

जीएसटीआईएन---

नाम--

मांग आदेश संख्या:

तिथि:

वसूली की संदर्भ संख्या:

तिथि :

अवधि

यह प्रमाणपत्र, प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट राशि की सीमा के लिये ऊपर वर्णित व्यतिक्रमी हेतु आपके दायित्व का, अच्छा और पर्याप्त रूप से निर्वहन करेगा।

हस्ताक्षर.....

स्थान:

नाम

तिथि:

पदनाम

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 15*(देखिए नियम 146)***डिक्री के लिए निष्पादन का अनुरोध करने के लिए सिविल न्यायालय के समक्ष आवेदन**

सेवा में,

.....न्यायालय का मजिस्ट्रेट/न्यायाधीश

.....

मांग आदेश संख्या:

तिथि:

अवधि

महोदय/महोदया,

आपको यह सूचित किया जाता है कि 20.....की..... वाद संख्या में(व्यतिक्रमी का नाम) के द्वारा 20.....की तिथि को आपके न्यायालय में अभिप्राप्त डिक्री के अनुसार उक्त व्यक्ति के प्रति.....रुपए का संदेय किया जाना है । तथापि, उक्त व्यक्ति आदेश संख्या तिथि द्वारा <<एसजीएसटी/ यूटीजीएसटी/ सीजीएसटी/ आईजीएसटी/उपकर >> अधिनियम के उपबंधों के अधीन.....रुपए की राशि का भुगतान करने के लिए दायी है ।

आपसे डिक्री का निष्पादन करने और ऊपर यथाउल्लिखित बकाया वसूल योग्य राशि का निपटान करने के लिए शुद्ध आगम प्रत्यय के लिए अनुरोध किया जाता है।

स्थान:

तारीख:

समुचित अधिकारी/विनिर्दिष्ट अधिकारी

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 16
{देखिए नियम 147(1) और 151(1)}

सेवा में

जीएसटीआईएन-----

नाम-----

पता-----

मांग आदेश संख्या -----

तिथि :

वसूली की संदर्भ संख्या

तिथि :

अवधि :

धारा 79 के अधीन स्थावर/जंगम मालों/शेयरों की कुर्की और विक्रय हेतु नोटिस ।

<<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/उपकर>> अधिनियम के उपबंधों के अधीन आपके द्वारा संदेय कर/उपकर/ब्याज/शास्ति/फीस के बकाया.....रु० की राशि का भुगतान करने में आप असफल रहे हैं ।

इसलिए नीचे दी गई सारणी में उल्लेखित स्थावर मालों को कुर्क किया जाता है और उक्त राशि की वसूली के लिये विक्रय किया जायेगा । अतः आपको किसी भी प्रकार से उक्त माल का अन्तरण करने या उस पर प्रभास सृजित करने से प्रतिषेध किया जाता है और आपके द्वारा किया गया कोई अन्तरण या सृजित प्रभार अवैध होगा ।

अनूसूची (जंगम)

क्रम संख्या	मालों का वर्णन	परिमाण
1	2	3

अनूसूची (स्थावर)

भवन सं./फ्लैट सं.	तल सं.	परिसर/भवन का नाम	सड़क/मार्ग	परिक्षेत्र/ग्राम	जिला	राज्य	दिन कोड	अक्षांश (वैकल्पिक)	देशांतर (वैकल्पिक)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

अनूसूची (शेयर)

क्रम संख्या	कंपनी का नाम	परिमाण
1	2	3

हस्ताक्षर

तिथि:

नाम

स्थान:

पदनाम

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 17

{देखिए नियम 147(4)}

धारा 79(1) (घ) के अधीन स्थावर/जंगम सम्पत्ति की नीलामी हेतु सूचना ।

मांग आदेश संख्या

तिथि :

वसूली की संदर्भ संख्या

तिथि :

अवधि :

धारा 79 के उपबंधों के अनुसरण में -----रूपये और उस पर ब्याज तथा वसूली प्रक्रिया में उपगत ग्राह्य व्यय की वसूली के लिए नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट कुर्क किये गये या करस्थम किये गये मालों की विक्रय हेतु मेरे द्वारा एक आदेश किया गया है ।

विक्रय लोक नीलामी द्वारा किया जायेगा और माल को अनुसूची में विनिर्दिष्ट लाट में विक्रय के लिए रखा जायेगा । विक्रय व्यतिक्रमी के अधिकार, अभिनाम और हितों का होगा और उक्त संपत्ति से उपाबद्ध दायित्व और दावे, जहां तक उन्हें अभिनिश्चित किया गया है, वे होंगे जिन्हें प्रत्येक लाट के समक्ष अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया गया है ।

स्थगन के किसी आदेश की अनुपस्थिति में नीलामी----- पूर्वाहन/अपराहन (बजे)----- (तारीख) को होगी । सूचना के जारी होने से पहले जहाँ बकाया संपूर्ण राशि संदत्त कर दी गई है कि दशा में, नीलामी रद्द कर दी जायेगी ।

प्रत्येक लाट की कीमत समुचित अधिकारी/विनिर्दिष्ट अधिकारी के निदेशों के अनुसार विक्रय के समय संदत्त की जायेगी और भुगतान के व्यतिक्रम में, माल को दोबारा नीलामी के लिए रखा जाएगा तथा पुनः विक्रय किया जायेगा ।

अनुसूची (जंगम)

क्रम संख्या	मालों का वर्णन	परिमाण
1	2	3

अनूसूची (स्थावर)

भवन संख्या/ फ्लैट संख्या	तल संख्या	परिसर/भवन का नाम	सड़क/ मार्ग	परिक्षेत्र/ ग्राम	जिला	राज्य	पिन कोड	अक्षांश (वैकल्पिक)	देशांतर (वैकल्पिक)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

अनूसूची (शेयर)

क्रम संख्या	कंपनी का नाम	परिमाण
1	2	3

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तिथि:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 18*{देखिए नियम 155}*

सेवा में

जिला कलक्टर का नाम और पता

.....

मांग आदेश संख्या.

तिथि :

वसूली की संदर्भ संख्या

तिथि :

अवधि :

धारा 79 की उपधारा (1) के खंड (ड) के अधीन नीलामी प्रमाण पत्र ।

मैं.....प्रमाणित करता हूँ कि अधिनियम
 <<एसजीएसटी/यूटीजीएसटी/सीजीएसटी/आईजीएसटी/उपकर>> के अधीन जीएसटीआईएन.....धारित
 मैसर्स.....से.....रु० की ऐसी राशि की मांग की गई है जो उसके द्वारा संदेय है, लेकिन
 संदत्त नहीं की गई है और अधिनियम के अधीन उपबंधित रीति से उक्त व्यतिक्रमी से वसूल नहीं की जा
 सकती है ।

<< मांग विवरण >>

उक्त जीएसटीआईएन धारक आपकी अधिकारिता में संपत्ति का स्वामित्व रखता है/निवास करता है/
 कारबार करता है, जिसकी विशिष्टियाँ नीचे दी गई हैं-

<<वर्णन >>

आप से निवेदन है कि उक्त व्यतिक्रमी से.....रुपये की राशि को इस प्रकार से वसूल करने जैसे
 कि यह भूमि राजस्व का कोई बकाया हो के लिए शीघ्र कदम उठायें ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तिथि :

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 19*[देखिए नियम 156]*

सेवा में,
मजिस्ट्रेट

<<न्यायालय का नाम और पता >>

मांग आदेश संख्या

तिथि :

वसूली की संदर्भ संख्या

तिथि :

अवधि :

जुर्माने के रूप में वसूली के लिए मजिस्ट्रेट को आवेदन ।

.....रु0 की कोई राशि अधिनियम के उपबंधों के अधीन संदेय कर ब्याज और शास्ति के कारण <<जीएसटीआईएन>> धारित <<कराधेय व्यक्ति का नाम>> से वसूली योग्य है । आपसे निवेदन है कि कृपया अधिनियम की धारा 79 की उप-धारा (1) के खंड (च) के उपबंधों के अनुसरण में इस राशि को इस प्रकार से वसूल करें जैसे कि यह किसी मजिस्ट्रेट द्वारा अधिरोपित कोई जुर्माना हो ।

राशि का विवरण				
वर्णन	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
कर/उपकर				
ब्याज				
शास्ति				
फीस				
अन्य				
योग				

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तिथि:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 20

{देखिए नियम 158(1)}

आस्थगित भुगतान/किश्तों में भुगतान के लिए आवेदन

1. कराधेय व्यक्ति का नाम _____
2. जीएसटीआईएन _____
3. अवधि _____

अधिनियम की धारा 80 के अनुसरण में, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मुझे कर/अन्य बकायों के भुगतान के लिए.....तक के समय का विस्तार अनुज्ञात करें या मुझे ऐसे कर/अन्य बकायों को नीचे दिये गये कारणों से.....किश्तों में भुगतान करने के लिए अनुज्ञात करें--

मांग आईडी				
वर्णन	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
कर/उपकर				
ब्याज				
शास्ति				
फीस				
अन्य				
योग				

कारण : -

अपलोड किये गये
दस्तावेज**सत्यापन**

मैं प्रतिज्ञान करता हूँ/घोषणा करता हूँ कि इसमें ऊपर दी गई सूचना मेरी जानकारी और विश्वास से सत्य और सही है तथा इसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है ।

प्रधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर _____

नाम _____

स्थान _____

तिथि _____

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-21*[देखिए नियम 158(2)]*

संदर्भ संख्या <<---->>

<< तिथि >>

सेवा में,

जीएसटीआईएन -----

नाम -----

पता -----

मांग आदेश संख्या

तिथि:

वसूली का संदर्भ संख्या :

तिथि:

अवधि -

आवेदन संदर्भ संख्या (एआरएन) -

तिथि:

आस्थिति भुगतान/किस्तों में भुगतान के लिए आवेदन के स्वीकार/अस्वीकार के लिए आदेश

यह, अधिनियम की धारा 80 के अधीन फाइल किए गए आपके उपरोक्त निर्दिष्ट आवेदन के संदर्भ में है आस्थिति भुगतान/कर के भुगतान/ किस्तों में अन्य देय के लिए आपके आवेदन का परीक्षण कर लिया गया है और इस संबंध में, आपको तारीख.....द्वारा कर और अन्य देय भुगतान करने की अनुज्ञा दी जाती है या इस संबंध में आपको.....रुपए.....मासिक किस्तों में कर और अन्य देय भुगतान करने की अनुज्ञा दी जाती है ।

या

यह, अधिनियम की धारा 80 के अधीन फाइल किए गए आपके उपरोक्त निर्दिष्ट आवेदन के संदर्भ में है । आस्थिति भुगतान/ कर के भुगतान/ किस्तों में अन्य देय के लिए आपके आवेदन का परीक्षण कर लिया गया है और इसको निम्नलिखित कारणों के लिए आपके अनुरोध को मान लेना बिलकुल भी संभव नहीं है ;

अस्वीकार के लिए कारण

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

स्थान:

तिथि :

प्ररूप जीएसटी डीआरसी-22*[देखिए नियम 159(1)]*

संदर्भ संख्या:

तिथि:

सेवा में,

----- नाम

----- पता

(बैंक/ डाक खाना/वित्तीय संस्थान/अचल संपत्ति रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण)

धारा 83 के अधीन संपत्ति की अनंतिम कुर्की

आपको यह सूचित किया जाता है कि मैसर्स (नाम) कारबार का मूल स्थान(पता) रजिस्ट्रीकरण संख्या के रूप में----- (जीएसटीआईएन/आईटी), पी.ए.एन.----- <<एसजीएसटी/सीजीएसटी>> अधिनियम के अधीन एक रजिस्ट्रीकृत कराधेय व्यक्ति है । उक्त व्यक्ति से कर या कोई अन्य राशि का अवधारण उक्त अधिनियम की धारा << --->> के अधीन पूर्वोक्त कराधेय व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाहियां आरंभ की गई है । विभाग के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मेरी नोटिस में यह आया है कि उक्त व्यक्ति का -

<<बचत/ चालू/ एफ डी/ आर डी / निक्षेप >>खाता आपके<< बैंक/डाक खाना/वित्तीय संस्थान>> में खाता संख्या << खाता सं०>>;

या

<< संपत्ति आई डी और अवस्थान>> पर संपत्ति स्थिति है ।

राजस्व के हितों का संरक्षण करने के लिए और अधिनियम की धारा 83 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं ----- (नाम), ----- (पदनाम), पूर्वोक्त खाता/ संपत्ति की अनंतिम कुर्की करता हूं ।

कोई विकलन इस विभाग की पूर्व अनुज्ञा के बिना उसी पी.ए.एन. पर पूर्वोक्त व्यक्ति द्वारा संचालित उक्त खाता या कोई अन्य खाता से अनुज्ञात नहीं करने दिया जाएगा ।

या

उपरोक्त उल्लिखित संपत्ति इस विभाग की पूर्व अनुज्ञा के बिना निपटान करने को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति :-

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 23*[देखिए नियम 159(3), 159(5) और 159(6)]*

संदर्भ संख्या :--

तिथि:

सेवा में,

----- नाम

----- पता

(बैंक/ डाक खाता/वित्तीय संस्थान/अचल संपत्ति रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण)

आदेश संदर्भ संख्या :--

तिथि -

धारा 83 के अधीन अनंतिम रूप से कुर्क संपत्ति तिथि बैंक खाता का प्रत्यावर्तन

कृपया, व्यक्ति के विरुद्ध आरंभ की गई कार्यवाहियों में राजस्व के हित की सुरक्षा के संबंध में उपरोक्त निर्दिष्ट आदेश द्वारा कुर्क <<बचत / चालू / एफ डी/आर डी>> खाता संख्या आपके << बैंक /डाक खाना /वित्तीय संस्थान>> में खाता संख्या <<----- >>, की कुर्की का संदर्भ ले । अब, ऐसी कोई कार्यवाहियां व्यतिक्रमी व्यक्ति के विरुद्ध लंबित नहीं है जो उक्त खातों की कुर्की के लिये कहें । इसलिए, उक्त खाता अब संबद्ध व्यक्ति को प्रत्यावर्तन किया जा सकता है ।

या

कृपया, व्यक्ति के विरुद्ध आरंभ की गई कार्यवाहियों में राजस्व के हित की सुरक्षा के संबंध में उपरोक्त निर्दिष्ट आदेश द्वारा कुर्क << आई डी /अवस्थान>> संपत्ति की कुर्की का संदर्भ ले । अब, ऐसी कोई कार्यवाहियां व्यतिक्रमी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं है जो उक्त संपत्ति की कुर्की के लिये कहें । इसलिए, उक्त संपत्ति अब संबद्ध व्यक्ति को वापिस कर दी जा सकती है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रति : --

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 24

[देखिए नियम 160]

सेवा में,

समापक/प्रापक,

कराधेय व्यक्ति का नाम

जीएसटीआईएन:

मांग आदेश संख्या:

तिथि:

अवधि:

राशि की वसूली के लिए समापक को सूचित करना

यह आपके पत्र <<सूचना संख्या और तिथि>> के संदर्भ में, <<कम्पनी का नाम>> <<जीएसटीआईएन>> रखने वाले के लिए समापक के रूप में आपकी नियुक्ति की सूचना दी जा रही है। इस संबंध में, यह सूचित किया जाता है कि उक्त कम्पनी राज्य सरकार/ केन्द्रीय सरकार को निम्नलिखित राशि देनदार/संभावनीय देनदार है;

चालू/प्रत्याशित मांग

(रुपयों में राशि)

अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	अन्य देय	कुल बकाया
1	2	3	4	5	6
केन्द्रीय कर					
राज्य/यूटी कर					
एकीकृत कर					
उपकर					

अधिनियम की धारा 88 के उपबंधों के अनुपालन में आपको यह निदेशित किया जाता है कि कम्पनी के अंतिम परिसमापन से पहले चालू और प्रत्याशित दायित्वों के उन्मोचन के लिए पर्याप्त उपबंध बनाए।

नाम

पदनाम

स्थान:

तिथि:

प्ररूप जीएसटी डीआरसी - 25*[देखिए नियम 161]*

संदर्भ संख्या << --- >>

<< तिथि >>

सेवा में,

जीएसटीआईएन -----

नाम -----

पता -----

मांग आदेश संख्या:

तिथि:

वसूली का संदर्भ संख्या :

तिथि:

अवधि:

अपील या पुनरीक्षण या कोई अन्य कार्यवाही में संदर्भ संख्या.....

तारीख:.....

वसूली कार्यवाहियों का चालू रहना

.....रुपए के लिए उपरोक्त निर्दिष्ट वसूली संदर्भ संख्या द्वारा आपके विरुद्ध वसूली कार्यवाहियों को शुरू करने के संदर्भ में है ।

अपील /पुनरीक्षण प्राधिकारी/ न्यायालय << प्राधिकरण का नाम / न्यायालय>>आदेश संख्या..... तिथिद्वारा उपरोक्त उल्लिखित मांग आदेश संख्या -----

तिथि ----- द्वारा समावेश देय को बढ़ा देगा / कम कर देगा और अब देयरुपए रह गई है ।

अपील या पुनरीक्षण के निपटान से तत्काल पहले खड़ी उन वसूली कार्यवाहियों पर प्रक्रम से बढ़ी हुई वसूली/कम हुई वसूली की-----रुपए की राशि निरन्तर बनी हुई है । अपील/पुनरीक्षण प्रभाव देने के पश्चात् मांग की पुनरीक्षित राशि नीचे दी गई है :--

वित्तीय वर्ष

(राशि रुपए में)

अधिनियम	कर	ब्याज	शास्ति	अन्य देय	कुल बकाया
1	2	3	4	5	6
केन्द्रीय कर					
राज्य/यूटी कर					
एकीकृत कर					
उपकर					

हस्ताक्षर

स्थान:

नाम

तिथि:

पदनाम

प्ररूप जीएसटी सीपीडी - 01*[देखिए नियम 162(1)]***शमनीय अपराध के लिए आवेदन**

1.	जीएसटीआईएन / अस्थायी आईडी	
2.	आवेदक का नाम	
3.	पता	
4.	अधिनियम के उपबंधों को उल्लंघन जिसके लिए अभियोग संस्थित या अपेक्षित है ।	
5.	न्यायनिर्णय आदेश/नोटिस का ब्यौरा	
	संदर्भ संख्या	
	तिथि	
	कर	
	ब्याज	
	शास्ति	
	जुर्माना, यदि कोई हो	
6.	मामले का संक्षिप्त तथ्य और भारित अपराध (अपराधों की विशिष्टियां)	
7.	क्या यह अधिनियम के अधीन पहला अपराध है	
8.	यदि सं० 7 का उत्तर नकारात्मक है तो पिछले मामले का ब्यौरा	
9.	क्या उसी या कोई अन्य अपराध के लिए कोई कार्यवाहियां किसी अन्य विधि के अधीन अन्ध्यात है ।	
10.	यदि संख्या 9 का उत्तर सकारात्मक है तो उसका ब्यौरा	

घोषणा

- (1) मैं, आयुक्त द्वारा यथानियत प्रशमन राशि भुगतान करूंगा ।
- (2) मैं, समझता हूं कि मैं अधिकार की दृष्टि से दावा नहीं करूंगा कि अधिनियम के अधीन मेरे द्वारा कारित उस अपराध का प्रशमन किया जाएगा ।

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम

प्ररूप जीएसटी सीपीडी-02

(देखिए नियम 162(3))

संदर्भ संख्या:

तिथि:

सेवा में,

जीएसटीआईएन/आईडी-----

नाम-----

पता -----

एआरएन -----

तिथि -

शमनीय अपराध के अस्वीकार/अनुज्ञात के लिए आदेश

यह उपरोक्त निर्दिष्ट आपके आवेदन के संदर्भ में है। आपका आवेदन का विभाग में परीक्षण कर लिया गया है और निष्कर्ष नीचे अभिलेख किया गया है :--

<<पाठ>>

में, सन्तुष्ट हूं कि आप स्तंभ (3) में दायित प्रशमन राशि भुगतान पर नीचे दी गई तालिका के स्तर 2 में कथित अपराधों के संबंध में शमनीय अपराध को अनुज्ञात करने की अपेक्षाओं को पूरा करते हो।

क्रम संख्या	अपराध	प्रशमन राशि (रुपए)
(1)	(2)	(3)

टिप्पण.- यदि कराधेय व्यक्ति द्वारा किया गया उपधारा स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट एक से अधिक प्रवर्ग में आता है तो शमनीय राशि स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट ऐसी राशि होगी जो ऐसे प्रवर्ग के सामने विनिर्दिष्ट अधिकतम राशि है, जिनमें शमन किए जाने के लिए ईप्सीत अपराधों को वर्गीकृत किया जा सकता है।

आपको निर्देशित किया जाता है तिथि ----- द्वारा पूर्वोक्त शमनीय राशि भुगतान कर दे और शमनीय राशि के भुगतान पर, आप पूर्वोक्त तालिका के खाना (2) में सूचीबद्ध अपराधों के लिए अभियोजन से उन्मुक्त कर दिया जाएगा।

या

☐ आपका आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

संजीव कौशल,

अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
आबकारी व कराधान विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

Notification

The 12th July, 2017

No. 56/ST-2 -- In exercise of the powers conferred by section 164 of the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017 (19 of 2017), the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Haryana Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:-

1. (1) These rules may be called the Haryana Goods and Services Tax (Third Amendment) Rules, 2017.
 (2) They shall come into force with effect from the 1st day of July, 2017.
2. In the Haryana Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter called the said rules), in rule 44,--
 (a) in sub-rule (2), for the words “integrated tax and central tax”, the words “central tax, State tax and integrated tax” shall be substituted;
 (b) in sub-rule (6), for the words and letters “IGST and CGST”, the words “central tax, State tax and integrated tax” shall be substituted;
3. In the said rules, in rule 96,
 (a) in sub-rule (1), in clause (b), for the words, figures and letters “**FORM GSTR-3**”, the words, figures and letters “**FORM GSTR-3** or **FORM GSTR-3B**, as the case may be” shall be substituted;
 (b) in sub-rule (3), for the words, figures and letters “**FORM GSTR-3**”, the words, figures and letters “**FORM GSTR-3** or **FORM GSTR-3B**, as the case may be;” shall be substituted.
4. In the said rules, after rule 96, the following rule shall be inserted, namely:-

“96A. Refund of integrated tax paid on export of goods or services under bond or Letter of Undertaking.- (1) Any registered person availing the option to supply goods or services for export without payment of integrated tax shall furnish, prior to export, a bond or a Letter of Undertaking in **FORM GST RFD-11** to the jurisdictional Commissioner, binding himself to pay the tax due along with the interest specified under sub-section (1) of section 50 within a period of —

 - (a) fifteen days after the expiry of three months from the date of issue of the invoice for export, if the goods are not exported out of India; or
 - (b) fifteen days after the expiry of one year, or such further period as may be allowed by the Commissioner, from the date of issue of the invoice for export, if the payment of such services is not received by the exporter in convertible foreign exchange.

(2) The details of the export invoices contained in **FORM GSTR-1** furnished on the common portal shall be electronically transmitted to the system designated by Customs and a confirmation that the goods covered by the said invoices have been exported out of India shall be electronically transmitted to the common portal from the said system.

(3) Where the goods are not exported within the time specified in sub-rule (1) and the registered person fails to pay the amount mentioned in the said sub-rule, the export as allowed under bond or Letter of Undertaking shall be withdrawn forthwith and the said amount shall be recovered from the registered person in accordance with the provisions of section 79.

(4) The export as allowed under bond or Letter of Undertaking withdrawn in terms of sub-rule (3) shall be restored immediately when the registered person pays the amount due.

(5) The Board, by way of notification, may specify the conditions and safeguards under which a Letter of Undertaking may be furnished in place of a bond.

(6) The provisions of sub rule (1) shall apply, *mutatis mutandis*, in respect of zero-rated supply of goods or services or both to a Special Economic Zone developer or a Special Economic Zone unit without payment of integrated tax.”.
5. In the said rules, in rule 119,--
 (a) for the existing marginal heading, the following marginal heading shall be substituted, namely “Declaration of stock held by a principal and agent or principal and job worker”;
 (b) for the words and figures “sub-section (14) of section 142” the words and figures “sub-section (14) of section 142 or section 141” shall be substituted.

6. In the said rules, after rule 137, the following rules shall be inserted, namely:-

“Chapter –XVI

E-way Rules

138. E-way rule. - Till such time as an E-way bill system is developed and approved by the Council, the Government may, by notification, specify the documents that the person in charge of a conveyance carrying any consignment of goods shall carry while the goods are in movement or in transit storage.

Chapter – XVII

Inspection, Search and Seizure

139. Inspection, search and seizure.- (1) Where the proper officer not below the rank of a Joint Commissioner has reasons to believe that a place of business or any other place is to be visited for the purposes of inspection or search or, as the case may be, seizure in accordance with the provisions of section 67, he shall issue an authorisation in **FORM GST INS-01** authorising any other officer subordinate to him to conduct the inspection or search or, as the case may be, seizure of goods, documents, books or things liable to confiscation.

(2) Where any goods, documents, books or things are liable for seizure under sub-section (2) of section 67, the proper officer or an authorised officer shall make an order of seizure in **FORM GST INS-02**.

(3) The proper officer or an authorised officer may entrust upon the owner or the custodian of goods, from whose custody such goods or things are seized, the custody of such goods or things for safe upkeep and the said person shall not remove, part with, or otherwise deal with the goods or things except with the previous permission of such officer.

(4) Where it is not practicable to seize any such goods, the proper officer or the authorised officer may serve on the owner or the custodian of the goods, an order of prohibition in **FORM GST INS-03** that he shall not remove, part with, or otherwise deal with the goods except with the previous permission of such officer.

(5) The officer seizing the goods, documents, books or things shall prepare an inventory of such goods or documents or books or things containing, *inter alia*, description, quantity or unit, make, mark or model, where applicable, and get it signed by the person from whom such goods or documents or books or things are seized.

140. Bond and security for release of seized goods.- (1) The seized goods may be released on a provisional basis upon execution of a bond for the value of the goods in **FORM GST INS-04** and furnishing of a security in the form of a bank guarantee equivalent to the amount of applicable tax, interest and penalty payable.

Explanation.- For the purposes of the rules under the provisions of this Chapter, the “applicable tax” shall include Central tax and State tax or Central tax and the Union territory tax, as the case may be and the cess, if any, payable under the Goods and Services Tax (Compensation to States) Act, 2017 (15 of 2017).

(2) In case the person to whom the goods were released provisionally fails to produce the goods at the appointed date and place indicated by the proper officer, the security shall be encashed and adjusted against the tax, interest and penalty and fine, if any, payable in respect of such goods.

141. Procedure in respect of seized goods.- (1) Where the goods or things seized are of perishable or hazardous nature, and if the taxable person pays an amount equivalent to the market price of such goods or things or the amount of tax, interest and penalty that is or may become payable by the taxable person, whichever is lower, such goods or, as the case may be, things shall be released forthwith, by an order in **FORM GST INS-05**, on proof of payment.

(2) Where the taxable person fails to pay the amount referred to in sub-rule (1) in respect of the said goods or things, the Commissioner may dispose of such goods or things and the amount realized thereby shall be adjusted against the tax, interest, penalty, or any other amount payable in respect of such goods or things.

CHAPTER - XVIII

DEMANDS AND RECOVERY

142. Notice and order for demand of amounts payable under the Act.- (1) The proper officer shall serve, along with the

- (a) notice under sub-section (1) of section 73 or sub-section (1) of section 74 or sub-section (2) of section 76, a summary thereof electronically in **FORM GST DRC-01**,
 - (b) statement under sub-section (3) of section 73 or sub-section (3) of section 74, a summary thereof electronically in **FORM GST DRC-02**,
- specifying therein the details of the amount payable.

(2) Where, before the service of notice or statement, the person chargeable with tax makes payment of the tax and interest in accordance with the provisions of sub-section (5) of section 73 or, as the case may be, tax, interest and penalty in accordance with the provisions of sub-section (5) of section 74, he shall inform the proper officer of such

payment in **FORM GST DRC-03** and the proper officer shall issue an acknowledgement, accepting the payment made by the said person in **FORM GST DRC-04**.

(3) Where the person chargeable with tax makes payment of tax and interest under sub-section (8) of section 73 or, as the case may be, tax, interest and penalty under sub-section (8) of section 74 within thirty days of the service of a notice under sub-rule (1), he shall intimate the proper officer of such payment in **FORM GST DRC-03** and the proper officer shall issue an order in **FORM GST DRC-05** concluding the proceedings in respect of the said notice.

(4) The representation referred to in sub-section (9) of section 73 or sub-section (9) of section 74 or sub-section (3) of section 76 shall be in **FORM GST DRC-06**.

(5) A summary of the order issued under sub-section (9) of section 73 or sub-section (9) of section 74 or sub-section (3) of section 76 shall be uploaded electronically in **FORM GST DRC-07**, specifying therein the amount of tax, interest and penalty payable by the person chargeable with tax.

(6) The order referred to in sub-rule (5) shall be treated as the notice for recovery.

(7) Any rectification of the order, in accordance with the provisions of section 161, shall be made by the proper officer in **FORM GST DRC-08**.

143. Recovery by deduction from any money owed.- Where any amount payable by a person (hereafter referred to in this rule as “the defaulter”) to the Government under any of the provisions of the Act or the rules made thereunder is not paid, the proper officer may require, in **FORM GST DRC-09**, a specified officer to deduct the amount from any money owing to such defaulter in accordance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of section 79.

Explanation.— For the purposes of this rule, “specified officer” shall mean any officer of the Central Government or a State Government or the Government of a Union territory or a local authority, or of a Board or Corporation or a company owned or controlled, wholly or partly, by the Central Government or a State Government or the Government of a Union territory or a local authority.

144. Recovery by sale of goods under the control of proper officer.- (1) Where any amount due from a defaulter is to be recovered by selling goods belonging to such person in accordance with the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 79, the proper officer shall prepare an inventory and estimate the market value of such goods and proceed to sell only so much of the goods as may be required for recovering the amount payable along with the administrative expenditure incurred on the recovery process.

(2) The said goods shall be sold through a process of auction, including e-auction, for which a notice shall be issued in **FORM GST DRC-10** clearly indicating the goods to be sold and the purpose of sale.

(3) The last day for submission of bid or the date of auction shall not be earlier than fifteen days from the date of issue of the notice referred to in sub-rule (2):

Provided that where the goods are of perishable or hazardous nature or where the expenses of keeping them in custody are likely to exceed their value, the proper officer may sell them forthwith.

(4) The proper officer may specify the amount of pre-bid deposit to be furnished in the manner specified by such officer, to make the bidders eligible to participate in the auction, which may be returned to the unsuccessful bidders, forfeited in case the successful bidder fails to make the payment of the full amount, as the case may be.

(5) The proper officer shall issue a notice to the successful bidder in **FORM GST DRC-11** requiring him to make the payment within a period of fifteen days from the date of auction. On payment of the full bid amount, the proper officer shall transfer the possession of the said goods to the successful bidder and issue a certificate in **FORM GST DRC-12**.

(6) Where the defaulter pays the amount under recovery, including any expenses incurred on the process of recovery, before the issue of the notice under sub-rule (2), the proper officer shall cancel the process of auction and release the goods.

(7) The proper officer shall cancel the process and proceed for re-auction where no bid is received or the auction is considered to be non-competitive due to lack of adequate participation or due to low bids.

145. Recovery from a third person.- (1) The proper officer may serve upon a person referred to in clause (c) of sub-section (1) of section 79 (hereafter referred to in this rule as “the third person”), a notice in **FORM GST DRC-13** directing him to deposit the amount specified in the notice.

(2) Where the third person makes the payment of the amount specified in the notice issued under sub-rule (1), the proper officer shall issue a certificate in **FORM GST DRC-14** to the third person clearly indicating the details of the liability so discharged.

146. Recovery through execution of a decree, etc.- Where any amount is payable to the defaulter in the execution of a decree of a civil court for the payment of money or for sale in the enforcement of a mortgage or charge, the

proper officer shall send a request in **FORM GST DRC- 15** to the said court and the court shall, subject to the provisions of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), execute the attached decree, and credit the net proceeds for settlement of the amount recoverable.

147. Recovery by sale of movable or immovable property.- (1) The proper officer shall prepare a list of movable and immovable property belonging to the defaulter, estimate their value as per the prevalent market price and issue an order of attachment or distraint and a notice for sale in **FORM GST DRC- 16** prohibiting any transaction with regard to such movable and immovable property as may be required for the recovery of the amount due:

Provided that the attachment of any property in a debt not secured by a negotiable instrument, a share in a corporation, or other movable property not in the possession of the defaulter except for property deposited in, or in the custody of any Court, shall be attached in the manner provided in rule 151.

(2) The proper officer shall send a copy of the order of attachment or distraint to the concerned Revenue Authority or Transport Authority or any such Authority to place encumbrance on the said movable or immovable property, which shall be removed only on the written instructions from the proper officer to that effect.

(3) Where the property subject to the attachment or distraint under sub-rule (1) is-

(a) an immovable property, the order of attachment or distraint shall be affixed on the said property and shall remain affixed till the confirmation of sale;

(b) a movable property, the proper officer shall seize the said property in accordance with the provisions of chapter XIV of the Act and the custody of the said property shall either be taken by the proper officer himself or an officer authorised by him.

(4) The property attached or distrained shall be sold through auction, including e-auction, for which a notice shall be issued in **FORM GST DRC- 17** clearly indicating the property to be sold and the purpose of sale.

(5) Notwithstanding anything contained in the provision of this Chapter, where the property to be sold is a negotiable instrument or a share in a corporation, the proper officer may, instead of selling it by public auction, sell such instrument or a share through a broker and the said broker shall deposit to the Government so much of the proceeds of such sale, reduced by his commission, as may be required for the discharge of the amount under recovery and pay the amount remaining, if any, to the owner of such instrument or a share.

(6) The proper officer may specify the amount of pre-bid deposit to be furnished in the manner specified by such officer, to make the bidders eligible to participate in the auction, which may be returned to the unsuccessful bidders or, forfeited in case the successful bidder fails to make the payment of the full amount, as the case may be.

(7) The last day for the submission of the bid or the date of the auction shall not be earlier than fifteen days from the date of issue of the notice referred to in sub-rule (4):

Provided that where the goods are of perishable or hazardous nature or where the expenses of keeping them in custody are likely to exceed their value, the proper officer may sell them forthwith.

(8) Where any claim is preferred or any objection is raised with regard to the attachment or distraint of any property on the ground that such property is not liable to such attachment or distraint, the proper officer shall investigate the claim or objection and may postpone the sale for such time as he may deem fit.

(9) The person making the claim or objection must adduce evidence to show that on the date of the order issued under sub-rule (1) he had some interest in, or was in possession of, the property in question under attachment or distraint.

(10) Where, upon investigation, the proper officer is satisfied that, for the reason stated in the claim or objection, such property was not, on the said date, in the possession of the defaulter or of any other person on his behalf or that, being in the possession of the defaulter on the said date, it was in his possession, not on his own account or as his own property, but on account of or in trust for any other person, or partly on his own account and partly on account of some other person, the proper officer shall make an order releasing the property, wholly or to such extent as he thinks fit, from attachment or distraint.

(11) Where the proper officer is satisfied that the property was, on the said date, in the possession of the defaulter as his own property and not on account of any other person, or was in the possession of some other person in trust for him, or in the occupancy of a tenant or other person paying rent to him, the proper officer shall reject the claim and proceed with the process of sale through auction.

(12) The proper officer shall issue a notice to the successful bidder in **FORM GST DRC-11** requiring him to make the payment within a period of fifteen days from the date of such notice and after the said payment is made, he shall issue a certificate in **FORM GST DRC-12** specifying the details of the property, date of transfer, the details of the bidder and the amount paid and upon issuance of such certificate, the rights, title and interest in the property shall be deemed to be transferred to such bidder:

Provided that where the highest bid is made by more than one person and one of them is a co-owner of the property, he shall be deemed to be the successful bidder.

(13) Any amount, including stamp duty, tax or fee payable in respect of the transfer of the property specified in sub-rule (12), shall be paid to the Government by the person to whom the title in such property is transferred.

(14) Where the defaulter pays the amount under recovery, including any expenses incurred on the process of recovery, before the issue of the notice under sub-rule (4), the proper officer shall cancel the process of auction and release the goods.

(15) The proper officer shall cancel the process and proceed for re-auction where no bid is received or the auction is considered to be non-competitive due to lack of adequate participation or due to low bids.

148. Prohibition against bidding or purchase by officer.- No officer or other person having any duty to perform in connection with any sale under the provisions of this Chapter shall, either directly or indirectly, bid for, acquire or attempt to acquire any interest in the property sold.

149. Prohibition against sale on holidays.- No sale under the rules under the provision of this chapter shall take place on a Sunday or other general holidays recognized by the Government or on any day which has been notified by the Government to be a holiday for the area in which the sale is to take place.

150. Assistance by police.- The proper officer may seek such assistance from the officer-in-charge of the jurisdictional police station as may be necessary in the discharge of his duties and the said officer-in-charge shall depute sufficient number of police officers for providing such assistance.

151. Attachment of debts and shares, etc.- (1) A debt not secured by a negotiable instrument, a share in a corporation, or other movable property not in the possession of the defaulter except for property deposited in, or in the custody of any court shall be attached by a written order in **FORM GST DRC-16** prohibiting.-

- (a) in the case of a debt, the creditor from recovering the debt and the debtor from making payment thereof until the receipt of a further order from the proper officer;
- (b) in the case of a share, the person in whose name the share may be standing from transferring the same or receiving any dividend thereon;
- (c) in the case of any other movable property, the person in possession of the same from giving it to the defaulter.

(2) A copy of such order shall be affixed on some conspicuous part of the office of the proper officer, and another copy shall be sent, in the case of debt, to the debtor, and in the case of shares, to the registered address of the corporation and in the case of other movable property, to the person in possession of the same.

(3) A debtor, prohibited under clause (a) of sub-rule (1), may pay the amount of his debt to the proper officer, and such payment shall be deemed as paid to the defaulter.

152. Attachment of property in custody of courts or Public Officer.- Where the property to be attached is in the custody of any court or Public Officer, the proper officer shall send the order of attachment to such court or officer, requesting that such property, and any interest or dividend becoming payable thereon, may be held till the recovery of the amount payable.

153. Attachment of interest in partnership.- (1) Where the property to be attached consists of an interest of the defaulter, being a partner, in the partnership property, the proper officer may make an order charging the share of such partner in the partnership property and profits with payment of the amount due under the certificate, and may, by the same or subsequent order, appoint a receiver of the share of such partner in the profits, whether already declared or accruing, and of any other money which may become due to him in respect of the partnership, and direct accounts and enquiries and make an order for the sale of such interest or such other order as the circumstances of the case may require.

(2) The other partners shall be at liberty at any time to redeem the interest charged or, in the case of a sale being directed, to purchase the same.

154. Disposal of proceeds of sale of goods and movable or immovable property.- The amounts so realised from the sale of goods, movable or immovable property, for the recovery of dues from a defaulter shall,-

- (a) first, be appropriated against the administrative cost of the recovery process;
- (b) next, be appropriated against the amount to be recovered;
- (c) next, be appropriated against any other amount due from the defaulter under this Act or the Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 or the Central Goods and Services Tax Act, 2017 or the Union Territory Goods and Services Tax Act, 2017 or any of the State Goods and Services Tax Act, 2017 and the rules made thereunder; and
- (d) any balance, be paid to the defaulter.

155. Recovery through land revenue authority.- Where an amount is to be recovered in accordance with the provisions of clause (e) of sub-section (1) of section 79, the proper officer shall send a certificate to the Collector or Deputy Commissioner of the district or any other officer authorised in this behalf in **FORM GST DRC- 18** to recover from the person concerned, the amount specified in the certificate as if it were an arrear of land revenue.

156. Recovery through court.- Where an amount is to be recovered as if it were a fine imposed under the Code of Criminal Procedure, 1973, the proper officer shall make an application before the appropriate Magistrate in accordance with the provisions of clause (f) of sub-section (1) of section 79 in **FORM GST DRC- 19** to recover from the person concerned, the amount specified thereunder as if it were a fine imposed by him.

157. Recovery from surety.- Where any person has become surety for the amount due by the defaulter, he may be proceeded against under this Chapter as if he were the defaulter.

158. Payment of tax and other amounts in instalments.- (1) On an application filed electronically by a taxable person, in **FORM GST DRC- 20**, seeking extension of time for the payment of taxes or any amount due under the Act or for allowing payment of such taxes or amount in instalments in accordance with the provisions of section 80, the Commissioner shall call for a report from the jurisdictional officer about the financial ability of the taxable person to pay the said amount.

(2) Upon consideration of the request of the taxable person and the report of the jurisdictional officer, the Commissioner may issue an order in **FORM GST DRC- 21** allowing the taxable person further time to make payment and/or to pay the amount in such monthly instalments, not exceeding twenty-four, as he may deem fit.

(3) The facility referred to in sub-rule (2) shall not be allowed where-

- (a) the taxable person has already defaulted on the payment of any amount under this Act or the Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 or the Central Goods and Services Tax Act, 2017 or the Union Territory Goods and Services Tax Act, 2017 or any of the State Goods and Services Tax Act, 2017, for which the recovery process is on;
- (b) the taxable person has not been allowed to make payment in instalments in the preceding financial year under this Act or the Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 or the Central Goods and Services Tax Act, 2017 or the Union Territory Goods and Services Tax Act, 2017 or any of the State Goods and Services Tax Act, 2017;
- (c) the amount for which instalment facility is sought is less than twenty-five thousand rupees.

159. Provisional attachment of property.- (1) Where the Commissioner decides to attach any property, including bank account in accordance with the provisions of section 83, he shall pass an order in **FORM GST DRC-22** to that effect mentioning therein, the details of property which is attached.

(2) The Commissioner shall send a copy of the order of attachment to the concerned Revenue Authority or Transport Authority or any such Authority to place encumbrance on the said movable or immovable property, which shall be removed only on the written instructions from the Commissioner to that effect.

(3) Where the property attached is of perishable or hazardous nature, and if the taxable person pays an amount equivalent to the market price of such property or the amount that is or may become payable by the taxable person, whichever is lower, then such property shall be released forthwith, by an order in **FORM GST DRC-23**, on proof of payment.

(4) Where the taxable person fails to pay the amount referred to in sub-rule (3) in respect of the said property of perishable or hazardous nature, the Commissioner may dispose of such property and the amount realized thereby shall be adjusted against the tax, interest, penalty, fee or any other amount payable by the taxable person.

(5) Any person whose property is attached may, within seven days of the attachment under sub-rule (1), file an objection to the effect that the property attached was or is not liable to attachment, and the Commissioner may, after

affording an opportunity of being heard to the person filing the objection, release the said property by an order in **FORM GST DRC- 23**.

(6) The Commissioner may, upon being satisfied that the property was, or is no longer liable for attachment, release such property by issuing an order in **FORM GST DRC- 23**.

160. Recovery from company in liquidation.- Where the company is under liquidation as specified in section 88, the Commissioner shall notify the liquidator for the recovery of any amount representing tax, interest, penalty or any other amount due under the Act in **FORM GST DRC -24**.

161. Continuation of certain recovery proceedings.- The order for the reduction or enhancement of any demand under section 84 shall be issued in **FORM GST DRC- 25**.

Chapter - XIX

Offences and Penalties

162. Procedure for compounding of offences.- (1) An applicant may, either before or after the institution of prosecution, make an application under sub-section (1) of section 138 in **FORM GST CPD-01** to the Commissioner for compounding of an offence.

(2) On receipt of the application, the Commissioner shall call for a report from the concerned officer with reference to the particulars furnished in the application, or any other information, which may be considered relevant for the examination of such application.

(3) The Commissioner, after taking into account the contents of the said application, may, by order in **FORM GST CPD-02**, on being satisfied that the applicant has co-operated in the proceedings before him and has made full and true disclosure of facts relating to the case, allow the application indicating the compounding amount and grant him immunity from prosecution or reject such application within ninety days of the receipt of the application.

(4) The application shall not be decided under sub-rule (3) without affording an opportunity of being heard to the applicant and recording the grounds of such rejection.

(5) The application shall not be allowed unless the tax, interest and penalty liable to be paid have been paid in the case for which the application has been made.

(6) The applicant shall, within a period of thirty days from the date of the receipt of the order under sub-rule (3), pay the compounding amount as ordered by the Commissioner and shall furnish the proof of such payment to him.

(7) In case the applicant fails to pay the compounding amount within the time specified in sub-rule (6), the order made under sub-rule (3) shall be vitiated and be void.

(8) Immunity granted to a person under sub-rule (3) may, at any time, be withdrawn by the Commissioner, if he is satisfied that such person had, in the course of the compounding proceedings, concealed any material particulars or had given false evidence. Thereupon such person may be tried for the offence with respect to which immunity was granted or for any other offence that appears to have been committed by him in connection with the compounding proceedings and the provisions the Act shall apply as if no such immunity had been granted.”

7. In the said rules, for “**FORM GST-RFD-01, FORM GST-RFD-02, FORM GST-RFD-04, FORM GST-RFD-05, FORM GST-RFD-06, FORM GST-RFD-07 and FORM GST-RFD-10**”, the following FORMS shall respectively be substituted, namely:-

FORM-GST-RFD-01*[See rule 89(1)]***Application for Refund**

Select: Registered / Casual/ Unregistered/Non-resident taxable person

1. GSTIN/Temporary ID:
2. Legal Name:
3. Trade Name, if any:
4. Address:
5. Tax Period: From <DD/MM/YY> To <DD/MM/YY>
6. Amount of Refund Claimed:

Act	Tax	Interest	Penalty	Fees	Others	Total
Central Tax						
State /UT Tax						
Integrated Tax						
Cess						
Total						

7. Grounds of Refund Claim: (select from the drop down):
 - (a) Excess balance in Electronic Cash ledger
 - (b) Exports of services- With payment of Tax
 - (c) Exports of goods / services- Without payment of Tax, i.e., ITC accumulated
 - (d) On account of assessment/provisional assessment/ appeal/ any other order
 - (i) Select the type of Order:
Assessment/ Provisional Assessment/ Appeal/ Others
 - (ii) Mention the following details:
 1. Order No.
 2. Order Date <calendar>
 3. Order Issuing Authority
 4. Payment Reference No. (of the amount to be claimed as refund)
(If Order is issued within the system, then 2, 3, 4 will be auto populated)
 - (e) ITC accumulated due to inverted tax structure (clause (ii) of proviso to section 54(3))
 - (f) On account of supplies made to SEZ unit/ SEZ Developer or Recipient of Deemed Exports
(Select the type of supplier/ recipient)
 1. Supplies to SEZ Unit
 2. Supplies to SEZ Developer
 3. Recipient of Deemed Exports
 - (g) Refund of accumulated ITC on account of supplies made to SEZ unit/ SEZ Developer
 - (h) Tax paid on a supply which is not provided, either wholly or partially, and for which invoice has not been issued
 - (i) Tax paid on an intra-State supply which is subsequently held to be inter-State supply and vice versa
 - (j) Excess payment of tax, if any
 - (k) Any other (*specify*)

8. Details of Bank Account (*to be auto populated from RC in case of registered taxpayer*)

- (a) Bank Account Number :
- (b) Name of the Bank :
- (c) Bank Account Type :
- (d) Name of account holder :
- (e) Address of Bank Branch :
- (f) IFSC :
- (g) MICR :

9. Whether Self-Declaration filed by Applicant u/s 54(4), if applicable Yes ☐ No ☐**DECLARATION**

I hereby declare that the goods exported are not subject to any export duty. I also declare that I have not availed any drawback on goods or services or both and that I have not claimed refund of the integrated tax paid on supplies in respect of which refund is claimed.

Signature

Name –

Designation / Status

DECLARATION

I hereby declare that the refund of ITC claimed in the application does not include ITC availed on goods or services used for making nil rated or fully exempt supplies.

Signature

Name –

Designation / Status

DECLARATION

I hereby declare that the Special Economic Zone unit /the Special Economic Zone developer has not availed of the input tax credit of the tax paid by the applicant, covered under this refund claim.

Signature

Name –

Designation / Status

SELF-DECLARATION

I/We _____ (Applicant) having GSTIN/ temporary Id -----, solemnly affirm and certify that in respect of the refund amounting to Rs. ---/ with respect to the tax, interest, or any other amount for the period from---to---, claimed in the refund application, the incidence of such tax and interest has not been passed on to any other person.

(This Declaration is not required to be furnished by applicants, who are claiming refund under clause (a) or clause (b) or clause (c) or clause (d) or clause (f) of sub-section (8) of section 54..)

10. Verification

I/We <Taxpayer Name> hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

We declare that no refund on this account has been received by us earlier.

Place

Date

Signature of Authorised Signatory

(Name)

Designation/ Status

Statement -1

(Annexure 1)

Refund Type: ITC accumulated due to inverted tax structure [clause (ii) of proviso to section 54(3)]

Part A: Outward Supplies

(GSTR- 1: Table 4 and 5)

GSTIN/ UIN	Invoice details			Rate	Taxable value	Amount				Place of Supply (Name of State)
	No.	Date	Value			Integrated Tax	Central Tax	State / UT Tax	Cess	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

Part B: Inward Supplies

[GSTR 2: Table 3 (Matched Invoices)]

GSTIN of supplier	Invoice details			Rate	Taxable value	Amount of Tax				Place of supply (Name of State)	Whether input or input service/ Capital goods (incl plant and machinery)/ Ineligible for ITC	Amount of ITC available			
	No	Date	Value			Integrated tax	Central Tax	State/ UT Tax	CESS			Integrated Tax	Central Tax	State/ UT Tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

Note.— The data shall be auto- populated from GSTR-1 and GSTR-2.

Statement- 2

Refund Type: Exports of services with payment of tax

(GSTR- 1: Table 6A and Table 9)

1.

GSTIN of recipie nt	Invoice details				Integrated Tax			BRC/ FIRC		Amended Value (Integrated Tax) (If Any)	Debit Note Integrated Tax / Amended (If any)	Credit Note Integrated Tax / Amended (If any)	Net Integrated Tax = (11/8)+12-13
	No.	Date	Value	SAC	Rate	Taxable value	Amt.	No.	Date				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
6A. Exports													

BRC/ FIRC details are mandatory– in case of services

Statement- 3

Refund Type: Export without payment of Tax-Accumulated ITC

(GSTR- 1: Table 6A)

GSTIN of recipient	Invoice details							Shipping bill/ Bill of export			Integrated Tax			EGM Details		BRC/ FIRC	
	No.	Date	Value	Goods/ Services (G/S)	HSN/ SAC	UQC	QTY	No.	Date	Port Code	Rate	Taxable value	Amt.	Ref No.	Date	No.	Date
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
6A. Exports																	

Note - 1. Shipping Bill and EGM are mandatory; – in case of goods.

2. BRC/ FIRC details are mandatory– in case of Services

Statement 4
Supplies to SEZ/ SEZ developer

Refund Type: On account of supplies made to SEZ unit/ SEZ Developer

(GSTR- 1: Table 6B and Table 9)

GSTIN of recipient	Invoice details			Shipping bill/ Bill of export		Integrated Tax			Amended Value (Integrated Tax) (If Any)	Debit Note Integrated Tax / Amended (If any)	Credit Note Integrated Tax / Amended (If any)	Net Integrated Tax = (10/ 9) + 11 – 12
	No.	Date	Value	No	Date	Rate	Taxable Value	Amt.	Amt.	Amt.	Amt.	Amt.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
6B: Supplies made to SEZ/ SEZ developer												

(GSTR- 5: Table 5 and Table 8)

GSTIN/ UIN	Invoice details			Rate	Taxable value	Amount				Place of Supply (Name of State)	Amended Value (Integrated Tax) (If Any)	Debit Note Integrated Tax / Amended (If any)	Credit Note Integrated Tax / Amended (If any)	Net Integrated Tax = (12/ 7) + 13 – 14
	No.	Date	Value			Integrated Tax	Central Tax	State / UT Tax	Cess					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

Statement 5
Recipient of Deemed exports etc.

(GSTR-2: Table 3 and Table 6)

GSTIN of supplier	Invoice details			Rate	Taxable value	Amount of Tax				Place of supply (Name of State)	Whether input or input service/ Capital goods (incl plant and machinery)/ Ineligible for ITC	Amount of ITC available				Amended Value (ITC Integrated Tax) (If Any)	Debit Note ITC Integrated Tax / Amended (If any)	Credit Note ITC Integrated Tax / Amended (If any)	Net ITC Integrated Tax = (17/ 7) + 18 – 19
	No	Date	Value			Integrate d tax	Central Tax	State/ UT Tax	CESS			Integrate d Tax	Central Tax	State/ UT Tax	Cess				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

Statement 6:

Refund Type: Tax paid on an intra-State supply which is subsequently held to be inter-State supply and vice versa

Order Details (issued in pursuance of Section 77 (1) and (2), if any:

Order No: **Order Date:**

GSTIN/ UIN Name (in case B2C)	Details of invoice covering transaction considered as intra –State / inter-State transaction earlier									Transaction which were held inter State / intra-State supply subsequently				
	Invoice details				Integrated Tax	Central Tax	State/ UT Tax	Cess	Place of Supply (only if different from the location of recipient)	Integrated Tax	Central Tax	State/ UT Tax	Cess	Place of Supply (only if different from the location of recipient)
	No.	Date	Value	Taxable Value	Amt	Amt	Amt	Amt		Amt	Amt	Amt	Amt	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

Statement 7:

Refund Type: Excess payment of tax, if any in case of Last Return filed.

Refund on account excess payment of tax

(In case of taxpayer who filed last return GSTR-3 - table 12)

Sr. No.	Tax period	Reference no. of return	Date of filing return	Tax Payable			
				Integrated Tax	Central Tax	State/ UT Tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7	8

Annexure-2
Certificate

This is to certify that in respect of the refund amounting to INR << >> ----- (in words) claimed by M/s -----
----- (Applicant's Name) GSTIN/ Temporary ID----- for the tax period < ---->, the incidence of tax and interest,
has not been passed on to any other person. This certificate is based on the examination of the Books of Accounts,
and other relevant records and Returns particulars maintained/ furnished by the applicant.

Signature of the Chartered Accountant/ Cost Accountant:

Name:

Membership Number:

Place:

Date:

This Certificate is not required to be furnished by the applicant, claiming refund under clause (a) or clause (b) or clause (c) or clause (d) or clause (f) of sub-section (8) of section 54 of the Act.

FORM-GST-RFD-02*[See rules 90(1), 90(2) and 95(2)]***Acknowledgment**

Your application for refund is hereby acknowledged against <Application Reference Number>

Acknowledgement Number :

Date of Acknowledgement :

GSTIN/ UIN/ Temporary ID, if applicable :

Applicant's Name :

Form No. :

Form Description :

Jurisdiction (*tick appropriate*) :

Centre State/ Union Territory:

Filed by :

Refund Application Details	
Tax Period	
Date and Time of Filing	
Reason for Refund	

Amount of Refund Claimed:

	Tax	Interest	Penalty	Fees	Others	Total
Central Tax						
State /UT tax						
Integrated Tax						
Cess						
Total						

Note 1.—The status of the application can be viewed by entering ARN through <Refund> Track Application Status” on the GST System Portal.

Note 2.— It is a system generated acknowledgement and does not require any signature.

FORM-GST-RFD-04*[See rule 91(2)]*

Sanction Order No:

Date: <DD/MM/YYYY>

To

_____ (GSTIN)

_____ (Name)

_____ (Address)

Provisional Refund Order

Refund Application Reference No. (ARN)Dated<DD/MM/YYYY>.....-

Acknowledgement No.Dated<DD/MM/YYYY>.....

Sir/Madam,

With reference to your above mentioned application for refund, the following amount is sanctioned to you on a provisional basis:

Sr. No	Description	Central Tax	State /UT tax	Integrated Tax	Cess
(i)	Amount of refund claimed				
(ii)	10% of the amount claimed as refund (to be sanctioned later)				
(iii)	Balance amount (i-ii)				
(iv)	Amount of refund sanctioned				
	Bank Details				
(v)	Bank Account No. as per application				
(vi)	Name of the Bank				
(vii)	Address of the Bank /Branch				
(viii)	IFSC				
(ix)	MICR				

Date:

Place:

Signature (DSC):

Name:

Designation:

Office Address:

FORM-GST-RFD-05*[See rule 91(3), 92(4), 92(5) & 94]***Payment Advice**

Payment Advice No: -

Date: <DD/MM/YYYY>

To <Centre> PAO/ Treasury/ RBI/ Bank

Refund Sanction Order No.

Order Date.....<DD/MM/YYYY>.....

GSTIN/ UIN/ Temporary ID < >

Name: < >

Refund Amount (as per Order):

Description	Integrated Tax						Central Tax						State/ UT tax						Cess					
	T	I	P	F	O	Total	T	I	P	F	O	Total	T	I	P	F	O	Total	T	I	P	F	O	Total
Net Refund amount sanctioned																								
Interest on delayed Refund																								
Total																								

Note. – ‘T’ stands Tax; ‘I’ stands for Interest; ‘P’ stands for Penalty; ‘F’ stands for Fee and ‘O’ stands for Others

	Details of the Bank	
(i)	Bank Account no as per application	
(ii)	Name of the Bank	
(iii)	Name and Address of the Bank /branch	
(iv)	IFSC	
(v)	MICR	

Date:

Signature (DSC):

Place:

Name:

Designation:

Office Address:

To

_____ (GSTIN/ UIN/ Temporary ID)

_____ (Name)

_____ (Address)

FORM-GST-RFD-06*[See rule 92(1), 92(3), 92(4), 92(5) & 96(7)]*

Order No.:

Date: <DD/MM/YYYY>

To

_____ (GSTIN/ UIN/ Temporary ID)

_____ (Name)

_____ (Address)

Show cause notice No. (If applicable)

Acknowledgement No.

Dated<DD/MM/YYYY>

Refund Sanction/Rejection Order

Sir/Madam,

This has reference to your above mentioned application for refund filed under section 54 of the Act*/ interest on refund*.

<< reasons, if any, for granting or rejecting refund >>

Upon examination of your application, the amount of refund sanctioned to you, after adjustment of dues (where applicable) is as follows:

**Strike out whichever is not applicable*

Description	Integrated Tax						Central Tax						State/ UT tax						Cess					
	T	I	P	F	O	Total	T	I	P	F	O	Total	T	I	P	F	O	Total	T	I	P	F	O	Total
1. Amount of refund/interest* claimed																								
2. Refund sanctioned on provisional basis (Order No....date) (if applicable)																								
3. Refund amount inadmissible <<reason dropdown>> <Multiple reasons to be allowed>																								
4. Gross amount to be paid (1-2-3)																								
5. Amount adjusted against outstanding demand (if any) under the existing law or under the Act. Demand Order No..... date....., Act Period <Multiple rows possible- add row to be given>																								
6. Net amount to be paid																								

Note – ‘T’ stands Tax; ‘I’ stands for Interest; ‘P’ stands for Penalty; ‘F’ stands for Fee and ‘O’ stands for Others

**Strike out whichever is not applicable*

1. I hereby sanction an amount of INR _____ to M/s _____ having GSTIN _____ under sub-section (5) of section 54) of the Act/under section 56 of the Act[@]

Strike out whichever is not applicable

- (a) and the amount is to be paid to the bank account specified by him in his application;
- (b) the amount is to be adjusted towards recovery of arrears as specified at serial number 5 of the Table above;
- (c) an amount of ----rupees is to be adjusted towards recovery of arrears as specified at serial number 5 of the Table above and the remaining amount of ----rupees is to be paid to the bank account specified by him in his application[#] . .

Strike-out whichever is not applicable.

Or

2. I hereby credit an amount of INR _____ to Consumer Welfare Fund under sub-section (...) of Section (...) of the Act. .

3. I hereby reject an amount of INR _____ to M/s _____ having GSTIN _____ under sub-section (...) of Section (...) of the Act.

Strike-out whichever is not applicable

Date:

Place:

Signature (DSC):

Name:

Designation:

Office Address:

FORM-GST-RFD-07*[See rule 92(1), 92(2) & 96(6)]*

Reference No.

Date: <DD/MM/YYYY>

To

_____ (GSTIN/UIN/Temp.ID No.)

_____ (Name)

_____ (Address)

Acknowledgement No.

Dated.....<DD/MM/YYYY>.....

Order for Complete adjustment of sanctioned Refund**Part- A**

Sir/Madam,

With reference to your refund application as referred above and further furnishing of information/ filing of documents against the amount of refund sanctioned to you has been completely adjusted against outstanding demands as per details below:

	Refund Calculation	Integrated Tax	Central Tax	State/ UT Tax	Cess
(i)	Amount of Refund claimed				
(ii)	Net Refund Sanctioned on Provisional Basis (Order No...date)				
(iii)	Refund amount inadmissible rejected <<reason dropdown>>				
(iv)	Refund admissible (i-ii-iii)				
(v)	Refund adjusted against outstanding demand (as per order no.) under existing law or under this law. . Demand Order No..... date..... <Multiple rows may be given>				
(vi)	Balance amount of refund	Nil	Nil		Nil

I hereby, order that the amount of claimed / admissible refund as shown above is completely adjusted against the outstanding demand under this Act / under the existing law. This application stands disposed as per provisions under sub-section (...) of Section (...) of the Act.

OR**Part-B****Order for withholding the refund**

This has reference to your refund application referred to above and information/ documents furnished in the matter. The amount of refund sanctioned to you has been withheld due to the following reasons:

Refund Order No.:					
Date of issuance of Order:					
Sr.	Refund Calculation	Integrated	Central	State/UT Tax	Cess

No.		Tax	Tax		
i.	Amount of Refund Sanctioned				
ii.	Amount of Refund Withheld				
iii.	Amount of Refund Allowed				

Reasons for withholding of the refund:

<<Text>>

I hereby, order that the amount of claimed / admissible refund as shown above is withheld for the above mention reasons. This order is issued as per provisions under sub-section (...) of Section (...) of the Act.

Date:

Place:

Signature (DSC):

Name:

Designation:

Office Address:

FORM GST RFD-10*[See rule 95(1)]***Application for Refund by any specialized agency of UN or any Multilateral Financial Institution and Organization, Consulate or Embassy of foreign countries, etc.**

1. UIN :
2. Name :
3. Address :
4. Tax Period (Quarter) : From <DD/MM/YY> To <DD/MM/YY>
5. Amount of Refund Claim : <INR> <In Words>

	Amount
Central Tax	
State /UT Tax	
Integrated Tax	
Cess	
Total	

6. Details of Bank Account:
 - a. Bank Account Number
 - b. Bank Account Type
 - c. Name of the Bank
 - d. Name of the Account Holder/Operator
 - e. Address of Bank Branch
 - f. IFSC
 - g. MICR
7. Reference number and date of furnishing **FORM GSTR-11**
8. Verification

I _____ as an authorised representative of << Name of Embassy/international organization >> hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

That we are eligible to claim such refund as specified agency of UNO/Multilateral Financial Institution and Organization, Consulate or Embassy of foreign countries/ any other person/ class of persons specified/ notified by the Government.

Date:

Place:

Signature of Authorised Signatory:

Name:

Designation / Status

8. In the said rules, after “**Form GST RFD-10**”, the following forms shall be added, namely:-

“FORM GST RFD-11

[See rule 96A]

Furnishing of bond or Letter of Undertaking for export of goods or services

1. GSTIN				
2. Name				
3. Indicate the type of document furnished		Bond: <input type="checkbox"/>	Letter of Undertaking <input type="checkbox"/>	
4. Details of bond furnished				
Sr. No.	Reference no. of the bank guarantee	Date	Amount	Name of bank and branch
1	2	3	4	5

Note – Hard copy of the bank guarantee and bond shall be furnished to the jurisdictional officer.

5. Declaration -

- (i) The above-mentioned bank guarantee is submitted to secure the integrated tax payable on export of goods or services.
- (ii) I undertake to renew the bank guarantee well before its expiry. In case I/We fail to do so the department will be at liberty to get the payment from the bank against the bank guarantee.
- (iii) The department will be at liberty to invoke the bank guarantee provided by us to cover the amount of integrated tax payable in respect of export of goods or services.

Signature of Authorized Signatory

Name

Designation / Status -----

Date -----

Bond for export of goods or services without payment of integrated tax*(See rule 96A)*

I/We.....of.....,hereinafter called "obligor(s)", am/are held and firmly bound to the President of India (hereinafter called "the President") in the sum of.....rupees to be paid to the President for which payment will and truly to be made.

I/We jointly and severally bind myself/ourselves and my/our respective heirs/ executors/ administrators/ legal representatives/successors and assigns by these presents; Dated this.....day of.....;

WHEREAS the above bounden obligor has been permitted from time to time to supply goods or services for export out of India without payment of integrated tax;

and whereas the obligor desires to export goods or services in accordance with the provisions of clause (a) of sub-section (3) of section 16;

AND WHEREAS the Commissioner has required the obligor to furnish bank guarantee for an amount of..... rupees endorsed in favour of the President and whereas the obligor has furnished such guarantee by depositing with the Commissioner the bank guarantee as afore mentioned;

The condition of this bond is that the obligor and his representative observe all the provisions of the Act in respect of export of goods or services, and rules made thereunder;

AND if the relevant and specific goods or services are duly exported;

AND if all dues of Integrated tax and all other lawful charges, are duly paid to the Government along with interest, if any, within fifteen days of the date of demand thereof being made in writing by the said officer, this obligation shall be void;

OTHERWISE and on breach or failure in the performance of any part of this condition, the same shall be in full force and virtue:

AND the President shall, at his option, be competent to make good all the loss and damages, from the amount of bank guarantee or by endorsing his rights under the above-written bond or both;

I/We further declare that this bond is given under the orders of the Government for the performance of an act in which the public are interested;

IN THE WITNESS THEREOF these presents have been signed the day hereinbefore written by the obligor(s).

Signature(s) of obligor(s).

Date :

Place :

Witnesses

(1) Name and Address

Occupation

(2) Name and Address

Occupation

Accepted by me this.....day of(month).....
(year).....of (Designation) for and on behalf of the President of India".

Letter of Undertaking for export of goods or services without payment of integrated tax*(See rule 96A)*

To

The President of India (hereinafter called the "President"), acting through the proper officer

I/We of..... (address of the registered person) having Goods & Services Tax Identification Number No....., hereinafter called "the undertaker(s) including my/our respective heirs, executors/ administrators, legal representatives/successors and assigns by these presents, hereby jointly and severally undertake on this day of to the President

(a) to export the goods or services supplied without payment of integrated tax within time specified in sub-rule (1) of rule 96A ;

(b) to observe all the provisions of the Goods and Services Tax Act and rules made thereunder, in respect of export of goods or services;

(c) pay the integrated tax, thereon in the event of failure to export the goods or services, along with an amount equal to eighteen percent interest per annum on the amount of tax not paid, from the date of invoice till the date of payment.

I/We declare that this undertaking is given under the orders of the proper officer for the performance of enacts in which the public are interested.

IN THE WITNESS THEREOF these presents have been signed the day hereinbefore written by the undertaker(s)

Signature(s) of undertaker(s).

Date :

Place :

Witnesses

(1) Name and Address

Occupation

(2) Name and Address

Occupation

Date

Place

Accepted by me this.....day of (month).....
(year).....of

(Designation)

for and on behalf of the President of India

FORM GST INS-1**AUTHORISATION FOR INSPECTION OR SEARCH***[See rule 139 (1)]*

To

.....

.....

(Name and Designation of officer)

Whereas information has been presented before me and I have reasons to believe that—

A. M/s. _____

- ☐ has suppressed transactions relating to supply of goods and/or services
- ☐ has suppressed transactions relating to the stock of goods in hand,
- ☐ has claimed input tax credit in excess of his entitlement under the Act
- ☐ has claimed refund in excess of his entitlement under the Act
- ☐ has indulged in contravention of the provisions of this Act or rules made thereunder to evade tax under this Act;

OR

B. M/s. _____

- ☐ is engaged in the business of transporting goods that have escaped payment of tax
- ☐ is an owner or operator of a warehouse or a godown or a place where goods that have escaped payment of tax have been stored
- ☐ has kept accounts or goods in such a manner as is likely to cause evasion of tax payable under this Act.

OR

C.

- ☐ goods liable to confiscation / documents relevant to the proceedings under the Act are secreted in the business/residential premises detailed herein below

<<Details of the Premises>

Therefore,—

☐ in exercise of the powers conferred upon me under sub-section (1) of section 67 of the Act, I authorize and require you to inspect the premises belonging to the above mentioned person with such assistance as may be necessary for inspection of goods or documents and/or any other things relevant to the proceedings under the said Act and rules made thereunder.

OR

☐ in exercise of the powers conferred upon me under sub-section (2) of section 67 of the Act, I authorize and require you to search the above premises with such assistance as may be necessary, and if any goods or documents and/or other things relevant to the proceedings under the Act are found, to seize and produce the same forthwith before me for further action under the Act and rules made thereunder.

Any attempt on the part of the person to mislead, tamper with the evidence, refusal to answer the questions relevant to inspection / search operations, making of false statement or providing false evidence is punishable with imprisonment and /or fine under the Act read with section 179, 181, 191 and 418 of the Indian Penal Code.

Given under my hand & seal this day of (month) 20.... (year). Valid for day(s).

Seal

Place

Signature, Name and designation of the
issuing authority

Name, Designation & Signature of the Inspection Officer/s

(i)

(ii)

FORM GST INS-02**ORDER OF SEIZURE***[See rule 139 (2)]*

Whereas an inspection under sub-section (1)/search under sub-section (2) of Section 67 was conducted by me on __/__/____ at __:__ AM/PM in the following premise(s):

<<**Details of premises**>>

which is/are a place/places of business/premises belonging to:

<<**Name of Person**>>

<<**GSTIN, if registered**>>

in the presence of following witness(es):

1. <<**Name and address**>>

2. <<**Name and address**>>

and on scrutiny of the books of accounts, registers, documents / papers and goods found during the inspection/search, I have reasons to believe that certain goods liable to confiscation and/or documents and/or books and/or things useful for or relevant to proceedings under this Act are secreted in place(s) mentioned above.

Therefore, in exercise of the powers conferred upon me under sub-section (2) of section 67, I hereby seize the following goods/ books/ documents and things:

(A) Details of Goods seized:

Sr. No	Description of goods	Quantity or units	Make/mark or model	Remarks
1	2	3	4	5

(B) Details of books / documents / things seized:

Sr. No	Description of books / documents / things seized	No. of books / documents / things seized	Remarks
1	2	3	4

and these goods and or things are being handed over for safe upkeep to:

<<**Name and address**>>

with a direction that he shall not remove, part with, or otherwise deal with the goods or things except with the previous permission of the undersigned.

Place:

Name and Designation of the Officer

Date:

Signature of the Witnesses

Sr. No.	Name and address	Signature
1.		
2.		

To:

<<Name and address>>

FORM GST INS-03
ORDER OF PROHIBITION

[See rule 139(4)]

Whereas an inspection under sub-section (1)/search under sub-section (2) of Section 67 was conducted on __/__/__ at __:__ AM/PM in the following premise(s):

<<Details of premises>>

which is/are a place/places of business/premises belonging to:

<<Name of Person>>

<<GSTIN, if registered>>

in the presence of following witness(es):

1. <<Name and address>>

2. <<Name and address>>

and on scrutiny of the books of accounts, registers, documents / papers and goods found during the inspection/search, I have reasons to believe that certain goods liable to confiscation and/or documents and/or books and/or things useful for or relevant to proceedings under this Act are secreted in place(s) mentioned above.

Therefore, in exercise of the powers conferred upon me under sub-section (2) of section 67, I hereby order that you shall not/shall not cause to remove, part with, or otherwise deal with the goods except without the previous permission of the undersigned:

Sr. No	Description of goods	Quantity or units	Make/mark or model	Remarks
1	2	3	4	5

Place:

Name and Designation of the Officer

Date:

Signature of the Witnesses

	Name and address	Signature
1.		
2.		

To:

<<Name and address>>

FORM GST INS-04**BOND FOR RELEASE OF GOODS SEIZED***[See rule 140(1)]*

I.....of.....hereinafter called "obligor(s)" am held and firmly bound to the President of India (hereinafter called "the President") and/or the Governor of(State) (hereinafter called "the Governor") in the sum of.....rupees to be paid to the President / the Governor for which payment will be made. I jointly and severally bind myself and my heirs/ executors/ administrators/ legal representatives/successors and assigns by these presents; dated this.....day of.....

WHEREAS in accordance with the provisions of sub-section (2) of section 67, the goods have been seized vide order numberdated..... having valuerupees involving an amount of tax of rupees. On my request the goods have been permitted to be released provisionally by the proper officer on execution of the bond of valuerupees and a security ofrupees against which cash/bank guarantee has been furnished in favour of the President/ Governor; and

WHEREAS I undertake to produce the said goods released provisionally to me as and when required by the proper officer duly authorized under the Act.

And if all taxes, interest, penalty, fine and other lawful charges demanded by the proper officer are duly paid within ten days of the date of demand thereof being made in writing by the said proper officer, this obligation shall be void.

OTHERWISE and on breach or failure in the performance of any part of this condition, the same shall be in full force:

AND the President/Governor shall, at his option, be competent to make good all the losses and damages from the amount of the security deposit or by endorsing his rights under the above-written bond or both;

IN THE WITNESS THEREOF these presents have been signed the day hereinbefore written by the obligor(s).

Signature(s) of obligor(s).

Date :

Place :

Witnesses

(1) Name and Address

(2) Name and Address

Date

Place

Accepted by me this.....day of(month).....(year)
..... (designation of officer) for and on behalf of the President
/Governor.

(Signature of the Officer)

FORM GST INS-05**ORDER OF RELEASE OF GOODS/ THINGS OF PERISHABLE OR HAZARDOUS NATURE***[See rule 141(1)]*

Whereas the following goods and/or things were seized on ___/___/___ from the following premise(s):

<<Details of premises>>

which is/are a place/places of business/premises belonging to:

<<Name of Person>>

<<GSTIN, if registered>>

Details of goods seized:

Sr. No	Description of goods	Quantity or units	Make/mark or model	Remarks
1	2	3	4	5

and since these goods are of perishable or hazardous nature and since an amount of Rs. _____ (amount in words and digits), being an amount equivalent to the:

- ☐ market price of such goods or things
- ☐ the amount of tax, interest and penalty that is or may become payable

has been paid, I hereby order the above mentioned goods be released forthwith.

Place:

Name and Designation of the Officer

Date:

To:

<<Name and Designation>>

FORM GST DRC - 01*[See rule 142(1)]*

Reference No:

Date:

To

_____ GSTIN/ID

----- Name

_____ Address

Tax Period -----

F.Y. -----

Act -

Section / sub-section under which SCN is being issued -

SCN Reference No. ----

Date ----

Summary of Show Cause Notice

(a) Brief facts of the case

(b) Grounds

(c) Tax and other dues

Amount in Rs.)

Sr. No.	Tax Period	Act	Place of supply (name of State)	Tax / Cess	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7
Total						

FORM GST DRC -02*[See rule 142(1)(b)]*

Reference No:

Date:

To

_____ GSTIN/ID

----- Name

_____ Address

SCN Ref. No. -----

Date –

Statement Ref. No. ----

Date -

Section /sub-section under which statement is being issued -

Summary of Statement

- (a) Brief facts of the case
- (b) Grounds
- (c) Tax and other dues

(Amount in Rs.)

Sr. No.	Tax Period	Act	Place of supply (name of State)	Tax/ Cess	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7
Total						

FORM GST DRC- 03*[See rule 142(2) & 142 (3)]***Intimation of payment made voluntarily or made against the show cause notice (SCN) or statement**

1.	GSTIN									
2.	Name									
3.	Cause of payment		<< drop down>> Audit, investigation, voluntary, SCN, others (specify)							
4.	Section under which voluntary payment is made		<< drop down>>							
5.	Details of show cause notice, if payment is made within 30 days of its issue		Reference No.				Date of issue			
6.	Financial Year									
7.	Details of payment made including interest and penalty, if applicable (Amount in Rs.)									
Sr. No.	Tax Period	Act	Place of supply (POS)	Tax/ Cess	Interest	Penalty, if applicable	Total	Ledger utilised (Cash / Credit)	Debit entry no.	Date of debit entry
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

8. Reasons, if any - << Text box>>

9. Verification-

I hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorized Signatory

Name _____

Designation / Status -----

Date –

FORM GST DRC – 04*[See rule 142(2)]*

Reference No:

Date:

To

_____ GSTIN/ID

----- Name

_____ Address

Tax Period -----

F.Y. -----

ARN -

Date -

Acknowledgement of acceptance of payment made voluntarily

The payment made by you vide application referred to above is hereby acknowledged to the extent of the amount paid and for the reasons stated therein.

Signature

Name

Designation

Copy to -

FORM GST DRC- 05*[See rule 142(3)]*

Reference No:

Date:

To

_____ GSTIN/ID

----- Name

_____ Address

Tax Period -----

F.Y. -----

SCN -

Date -

ARN -

Date -

Intimation of conclusion of proceedings

This has reference to the show cause notice referred to above. As you have paid the amount of tax and other dues mentioned in the notice along with applicable interest and penalty in accordance with the provisions of section ---- , the proceedings initiated vide the said notice are hereby concluded.

Signature

Name

Designation

Copy to - -

FORM GST DRC - 06*[See rule 142(4)]***Reply to the Show Cause Notice**

1. GSTIN		
2. Name		
3. Details of Show Cause Notice	Reference No.	Date of issue
4. Financial Year		
5. Reply		
<< Text box >>		
6. Documents uploaded		
<< List of documents >>		
7. Option for personal hearing	<input type="checkbox"/> Yes	<input type="checkbox"/> No

8. Verification-

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorized Signatory

Name _____

Designation / Status -----

Date –

FORM GST DRC - 07*[See rule 142(5)]***Summary of the order**

1. Details of order –

(a) Order no. (b) Order date (c) Tax period -

2. Issues involved – << drop down>>

classification, valuation, rate of tax, suppression of turnover, excess ITC claimed, excess refund released, place of supply, others (specify)

3. Description of goods / services -

Sr. No.	HSN	Description

4. Details of demand

(Amount in Rs.)

Sr. No.	Tax rate	Turnover	Place of supply	Act	Tax/ Cess	Interest	Penalty
1	2	3	4	5	6	7	8

5. Amount deposited

Sr. No.	Tax Period	Act	Tax/ Cess	Interest	Penalty	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7	8
Total							

Signature

Name

Designation

Copy to - –

FORM GST DRC - 08*[See rule 142(7)]*

Reference No.:

Date:

Rectification of Order

Preamble - << Standard >> (Applicable for orders only)

Particulars of original order			
Tax period, if any			
Section under which order is passed			
Order no.		Date of issue	
Provision assessment order no., if any		Order date	
ARN, if applied for rectification		Date of ARN	

☐ Your application for rectification of the order referred to above has been found to be satisfactory;

It has come to my notice that the above said order requires rectification;

☐ Reason for rectification -

<< text box >>

Details of demand, if any, after rectification

(Amount in Rs.)

Sr. No.	Tax rate	Turnover	Place of supply	Act	Tax/ Cess	Interest	Penalty
1	2	3	4	5	6	7	8

The aforesaid order is rectified in exercise of the powers conferred under section 161 as under:

<< text>>

To

_____ (GSTIN/ID)

-----Name

_____ (Address)

Copy to -

FORM GST DRC – 09*[See rule 143]*

To

Particulars of defaulter -

GSTIN –

Name -

Demand order no.:

Date:

Reference no. of recovery:

Date:

Period:

Order for recovery through specified officer under section 79

Whereas a sum of Rs. << ----->> on account of tax, cess, interest and penalty is payable under the provisions of the <<SGST/UTGST/ CGST/ IGST/ CESS>> Act by the aforesaid person who has failed to make payment of such amount. The details of arrears are given in the table below:

(Amount in Rs.)

Act	Tax/Cess	Interest	Penalty	Others	Total
1	2	3	4	5	6
Integrated tax					
Central tax					
State/ UT tax					
Cess					
Total					

<< Remarks>>

You are, hereby, required under the provisions of section 79 of the <<SGST >> Act to recover the amount due from the << person >> as mentioned above.

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 10*[See rule 144(2)]***Notice for Auction of Goods under section 79 (1) (b) of the Act**

Demand order no.:

Date:

Period:

Whereas an order has been made by me for sale of the attached or distrained goods specified in the Schedule below for recovery of Rs..... and interest thereon and admissible expenditure incurred on the recovery process in accordance with the provisions of section 79.

The sale will be by public auction and the goods shall be put up for sale in the lots specified in the Schedule. The sale will be of the right, title and interests of the defaulter. And the liabilities and claims attached to the said properties, so far as they have been ascertained, are those specified in the Schedule against each lot.

The auction will be held on at.... AM/PM. In the event the entire amount due is paid before the date of auction, the sale will be stopped.

The price of each lot shall be paid at the time of sale or as per the directions of the proper officer/ specified officer and in default of payment, the goods shall be again put up for auction and resold.

Schedule

Serial No.	Description of goods	Quantity
1	2	3

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 11*[See rule 144(5) & 147(12)]***Notice to successful bidder**

To,

Please refer to Public Auction Reference no. _____ dated _____. On the basis of auction conducted on _____, you have been found to be a successful bidder in the instant case. You are hereby, required to make payment of Rs. _____ within a period of 15 days from the date of auction.

The possession of the goods shall be transferred to you after you have made the full payment of the bid amount.

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 12*[See rule 144(5) & 147(12)]***Sale Certificate**

Demand order no.:

Date:

Reference no. of recovery:

Date:

Period:

This is to certify that the following goods:

Schedule (Movable Goods)

Sr. No.	Description of goods	Quantity
1	2	3

Schedule (Immovable Goods)

Building No./ Flat No.	Floor No.	Name of the Premises /Building	Road / Street	Localit y/ Villag e	Distric t	Stat e	PIN Code	Latitude (optional)	Longitude (optional)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Schedule (Shares)

Sr. No.	Name of the Company	Quantity	Value
1	2	3	4

have been sold toat.....in public auction of the goods held for recovery of rupees ----- in accordance with the provisions of section 79(1)(b)/(d) of the <<SGST/UTGST/ CGST/ IGST/ CESS>> Act and rules made thereunder on ----- and the said..... (Purchaser) has been declared to be the purchaser of the said goods at the time of sale. The sale price of the said goods was received on..... The sale was confirmed on.....

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 13*[See rule 145(1)]***Notice to a third person under section 79(1) (c)**

To

The _____

Particulars of defaulter -

GSTIN –

Name -

Demand order no.:

Date:

Reference no. of recovery:

Date:

Period:

Whereas a sum of Rs. << ---->> on account of tax, cess, interest and penalty is payable under the provisions of the <<SGST / UTGST/CGST/ IGST>> Act by <<Name of Taxable person>> holding <<GSTIN>> who has failed to make payment of such amount; and/or

It is observed that a sum of rupees ----- is due or may become due to the said taxable person from you; **or**

It is observed that you hold or are likely to hold a sum of rupees ----- for or on account of the said person.

You are hereby directed to pay a sum of rupees ----- to the Government forthwith or upon the money becoming due or being held in compliance of the provisions contained in clause (c)(i) of sub-section (1) of section 79 of the Act.

Please note that any payment made by you in compliance of this notice will be deemed under section 79 of the Act to have been made under the authority of the said taxable person and the certificate from the government in **FORM GST DRC - 14** will constitute a good and sufficient discharge of your liability to such person to the extent of the amount specified in the certificate.

Also, please note that if you discharge any liability to the said taxable person after receipt of this notice, you will be personally liable to the State /Central Government under section 79 of the Act to the extent of the liability discharged, or to the extent of the liability of the taxable person for tax, cess, interest and penalty, whichever is less.

Please note that, in case you fail to make payment in pursuance of this notice, you shall be deemed to be a defaulter in respect of the amount specified in the notice and consequences of the Act or the rules made thereunder shall follow.

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 14*[See rule 145(2)]***Certificate of Payment to a Third Person**

In response to the notice issued to you in **FORM GST DRC-13** bearing reference no. _____ dated _____, you have discharged your liability by making a payment of Rs. _____ for the defaulter named below:

GSTIN –

Name -

Demand order no.:

Date:

Reference no. of recovery:

Date:

Period:

This certificate will constitute a good and sufficient discharge of your liability to above mentioned defaulter to the extent of the amount specified in the certificate.

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC-15*[See rule 146]***APPLICATION BEFORE THE CIVIL COURT REQUESTING EXECUTION FOR A
DECREE**

To

The Magistrate /Judge of the Court of

Demand order no.:

Date:

Period

Sir/Ma'am,

This is to inform you that as per the decree obtained in your Court on the day of
20..... by(name of defaulter) in Suit No. of 20..., a sum of
rupees ----- is payable to the said person. However, the said person is liable to pay a sum of
rupees ----- under the provisions of the << SGST/UTGST/ CGST/ IGST/ CESS>> Act vide
order number ----- dated -----.

You are requested to execute the decree and credit the net proceeds for settlement of the
outstanding recoverable amount as mentioned above.

Place:

Date:

Proper Officer/ Specified Officer

FORM GST DRC – 16*[See rule 147(1) & 151(1)]*

To

GSTIN -

Name -

Address -

Demand order no.:

Date:

Reference no. of recovery:

Date:

Period:

Notice for attachment and sale of immovable/movable goods/shares under section 79

Whereas you have failed to pay the amount of Rs....., being the arrears of tax/cess/interest/penalty/ fee payable by you under the provisions of the <<SGST/UTGST/ CGST/ IGST/ CESS>> Act.

The immovable goods mentioned in the Table below are, therefore, attached and will be sold for the recovery of the said amount. You are hereby prohibited from transferring or creating a charge on the said goods in any way and any transfer or charge created by you shall be invalid.

Schedule (Movable)

Sr. No.	Description of goods	Quantity
1	2	3

Schedule (Immovable)

Building No./ Flat No.	Floor No.	Name of the Premises /Building	Road / Street	Localit y/ Village	District	Stat e	PIN Code	Latitude (optiona l)	Longitud e (optional)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Schedule (Shares)

Sr. No.	Name of the Company	Quantity
1	2	3

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 17*[See rule 147(4)]***Notice for Auction of Immovable/Movable Property under section 79(1) (d)**

Demand order no.:

Date:

Reference number of recovery:

Date:

Period:

Whereas an order has been made by me for sale of the attached or distrained goods specified in the Schedule below for recovery of Rs..... and interest thereon and admissible expenditure incurred on the recovery process in accordance with the provisions of section 79.

The sale will be by public auction and the goods shall be put up for sale in the lots specified in the Schedule. The sale will be of the right, title and interests of the defaulter. And the liabilities and claims attached to the said properties, so far as they have been ascertained, are those specified in the Schedule against each lot.

In the absence of any order of postponement, the auction will be held on.....(date) at.....A.M/P.M. In the event the entire amount due is paid before the issuance of notice, the auction will be cancelled.

The price of each lot shall be paid at the time of sale or as per the directions of the proper officer/ specified officer and in default of payment, the goods shall be again put up for auction and resold.

Schedule (Movable)

Sr. No.	Description of goods	Quantity
1	2	3

Schedule (Immovable)

Building No./ Flat No.	Floor No.	Name of the Premises /Building	Road / Street	Localit y/ Village	District	Stat e	PIN Code	Latitude (optiona l)	Longitud e (optional)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Schedule (Shares)

Sr. No.	Name of the Company	Quantity
1	2	3

Place:

Date:

Signature

Name

Designation

FORM GST DRC – 18*[See rule 155]*

To

Name & Address of District Collector

.....

Demand order no.:

Date:

Reference number of recovery:

Date:

Period:

Auction certificate under clause (e) of sub-section (1) section 79

I..... do hereby certify that a sum of Rs..... has been demanded from and is payable by M/s..... holding GSTINunder <<SGST/CGST/IGST/UTGST/CESS>> Act, but has not been paid and cannot be recovered from the said defaulter in the manner provided under the Act.

<< demand details >>

The said GSTIN holder owns property/resides/carries on business in your jurisdiction the particulars of which are given hereunder: -

<<Description>>

You are requested to take early steps to realise the sum of rupees ----- from the said defaulter as if it were an arrear of land revenue.

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 19*[See rule 156]*

To,

Magistrate,

<<Name and Address of the Court>>

Demand order no.:

Date:

Reference number of recovery:

Date:

Period:

Application to the Magistrate for Recovery as Fine

A sum of Rs. << ----- >> is recoverable from <<Name of taxable person>> holding <<GSTIN>> on account of tax, interest and penalty payable under the provisions of the Act. You are requested to kindly recover such amount in accordance with the provisions of clause (f) of sub-section (1) of section 79 of the Act as if it were a fine imposed by a Magistrate.

Details of Amount				
Description	Central tax	State /UT tax	Integrated tax	CESS
Tax/Cess				
Interest				
Penalty				
Fees				
Others				
Total				

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 20*[See rule 158(1)]***Application for Deferred Payment/ Payment in Instalments**

1. Name of the taxable person-
2. GSTIN -
3. Period _____

In accordance with the provisions of section 80 of the Act, I request you to allow me extension of time upto ----- for payment of tax/ other dues **or** to allow me to pay such tax/other dues in ----
---instalments for reasons stated below:

Demand ID				
Description	Central tax	State /UT tax	Integrated tax	CESS
Tax/Cess				
Interest				
Penalty				
Fees				
Others				
Total				

Reasons: -

Upload Document

Verification

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorized Signatory _____

Name _____

Place -

Date -

FORM GST DRC – 21*[See rule 158(2)]*

Reference No << --- >>

<< Date >>

To

GSTIN -----

Name -----

Address -----

Demand Order No.

Date:

Reference number of recovery:

Date:

Period -

Application Reference No. (ARN) -

Date -

Order for acceptance/rejection of application for deferred payment / payment in instalments

This has reference to your above referred application, filed under section 80 of the Act. Your application for deferred payment / payment of tax/other dues in instalments has been examined and in this connection, you are allowed to pay tax and other dues by ----- (date) **or** in this connection you are allowed to pay the tax and other dues amounting to rupees ----- in ----- monthly instalments.

OR

This has reference to your above referred application, filed under section 80 of the Act. Your application for deferred payment / payment of tax/other dues in instalments has been examined and it has not been found possible to accede to your request for the following reasons:

Reasons for rejection

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC - 22*[See rule 159(1)]*

Reference No.:

Date:

To

----- Name

----- Address

(Bank/ Post Office/Financial Institution/Immovable property registering authority)

Provisional attachment of property under section 83

It is to inform that M/s ----- (name) having principal place of business at ----- (address) bearing registration number as ----- (GSTIN/ID), PAN ----- is a registered taxable person under the <<SGST/CGST>> Act. Proceedings have been launched against the aforesaid taxable person under section << --->> of the said Act to determine the tax or any other amount due from the said person. As per information available with the department, it has come to my notice that the said person has a -

<<saving / current / FD/RD / depository >>account in your << bank/post office/financial institution>> having account no. << A/c no. >>;

or

property located at << property ID & location>>.

In order to protect the interests of revenue and in exercise of the powers conferred under section 83 of the Act, I ----- (name), ----- (designation), hereby provisionally attach the aforesaid account / property.

No debit shall be allowed to be made from the said account or any other account operated by the aforesaid person on the same PAN without the prior permission of this department.

or

The property mentioned above shall not be allowed to be disposed of without the prior permission of this department.

Signature

Name

Designation

Copy to –

FORM GST DRC - 23*[See rule 159(3), 159(5) & 159(6)]*

Reference No.:

Date:

To

----- Name

----- Address

(Bank/ Post Office/Financial Institution/Immovable property registering authority)

Order reference No. -

Date –

Restoration of provisionally attached property / bank account under section 83

Please refer to the attachment of << saving / current / FD/RD>> account in your << bank/post office/financial institution>> having account no. << ----- >>, attached vide above referred order, to safeguard the interest of revenue in the proceedings launched against the person. Now, there is no such proceedings pending against the defaulting person which warrants the attachment of the said accounts. Therefore, the said account may now be restored to the person concerned.

or

Please refer to the attachment of property << ID /Locality>> attached vide above referred order to safeguard the interest of revenue in the proceedings launched against the person. Now, there is no such proceedings pending against the defaulting person which warrants the attachment of the said property. Therefore, the said property may be restored to the person concerned.

Signature

Name

Designation

Copy to -

FORM GST DRC-24*[See rule 160]*

To

The Liquidator/ Receiver,

Name of the taxable person:

GSTIN:

Demand order no.:

Date:

Period:

Intimation to Liquidator for recovery of amount

This has reference to your letter <<intimation no. & date>>, giving intimation of your appointment as liquidator for the <<company name>> holding <<GSTIN>>. In this connection, it is informed that the said company owes / likely to owe the following amount to the State / Central Government:

Current / Anticipated Demand

(Amount in Rs.)

Act	Tax	Interest	Penalty	Other Dues	Total Arrears
1	2	3	4	5	6
Central tax					
State / UT tax					
Integrated tax					
Cess					

In compliance of the provisions of section 88 of the Act, you are hereby directed to make sufficient provision for discharge of the current and anticipated liabilities, before the final winding up of the company.

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST DRC – 25*[See rule 161]*

Reference No << --- >>

<<

Date >>

To

GSTIN -----

Name -----

Address -----

Demand Order No.:

Date:

Reference number of recovery:

Date:

Period:

Reference No. in Appeal or Revision or any other proceeding -

Date:

Continuation of Recovery Proceedings

This has reference to the initiation of recovery proceedings against you vide above referred recovery reference number for a sum of Rs.....

The Appellate /Revisional authority /Court << name of authority / Court>> has enhanced/reduced the dues covered by the above mentioned demand order No.....dated.....vide order no. ----- dated ----- and the dues now stands at Rs.....The recovery of enhanced/reduced amount of Rs..... stands continued from the stage at which the recovery proceedings stood immediately before disposal of appeal or revision. The revised amount of demand after giving effect of appeal / revision is given below:

Financial year:

(Amount in Rs.)

Act	Tax	Interest	Penalty	Other Dues	Total Arrears
1	2	3	4	5	6
Central tax					
State / UT tax					
Integrated tax					
Cess					

Signature

Name

Designation

Place:

Date:

FORM GST CPD-01*[See rule 162(1)]***Application for Compounding of Offence**

1.	GSTIN / Temporary ID	
2.	Name of the applicant	
3.	Address	
4.	The violation of provisions of the Act for which prosecution is instituted or contemplated	
5.	Details of adjudication order/notice	
	Reference Number	
	Date	
	Tax	
	Interest	
	Penalty	
	Fine, if any	
6.	Brief facts of the case and particulars of the offence (s) charged:	
7.	Whether this is the first offence under the Act	
8.	If answer to 7 is in the negative, the details of previous cases	
9.	Whether any proceedings for the same or any other offence are contemplated under any other law.	
10.	If answer to 9 is in the affirmative, the details thereof	

DECLARATION

(1)	I shall pay the compounding amount, as may be fixed by the Commissioner.
(2)	I understand that I cannot claim, as a matter of right, that the offence committed by me under the Act shall be compounded.
<div style="text-align: right;">Signature of the applicant Name</div>	

FORM GST CPD-02*[See rule 162(3)]*

Reference No:

Date:

To

GSTIN/ID -----

Name-----

Address -----

ARN -----

Date –

Order for rejection / allowance of compounding of offence

This has reference to your application referred to above. Your application has been examined in the department and the findings are as recorded below:

<< text >>

- ☐ I am satisfied that you fulfil the requirements to be allowed to compound the offences in respect of the offences stated in column (2) of the table below on payment compounding amount indicated in column (3):

Sr. No.	Offence	Compounding amount (Rs.)
(1)	(2)	(3)

Note: In case the offence committed by the taxable person falls in more than one category specified in Column (2), the compounding amount shall be the amount specified in column (3), which is the maximum of the amounts specified against the categories in which the offence sought to be compounded can be categorized.

You are hereby directed to pay the aforesaid compounding amount by ----- (date) and on payment of the compounding amount, you will be granted immunity from prosecution for the offences listed in column (2) of the aforesaid table.

or

- ☐ Your application is hereby rejected.

Signature

Name

Designation

SANJEEV KAUSHAL,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Excise and Taxation Department.